दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 97 ■ दमण, बुधवार, 31 दिसंबर 2025 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव में नववर्ष की पूर्व संध्या पर भव्य न्यू ईयर ईव म्यूजिकल नाइट का होगा आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण 30 दिसंबर। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद तथा प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व में संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर सशक्त पहचान स्थापित करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं प्रशासक प्रफुल पटेल की दूरदर्शी सोच के परिणामस्वरूप दमण में अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर रामसेतु तथा नमोपथ जैसे प्रमुख पर्यटन प्रकल्पों का निर्माण किया गया है, जिससे पर्यटन गतिविधियों को उल्लेखनीय प्रोत्साहन मिला है। पर्यटन को बढ़ावा देने की इस नीति के सकारात्मक परिणामस्वरूप संघ प्रदेशों में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। इसी क्रम में प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल मार्गदर्शन में संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमण एवं दीव प्रशासन द्वारा नववर्ष की पूर्व संध्या पर 31 दिसंबर 2025 को भव्य न्यू ईयर ईव म्यूजिकल नाइट का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन एक साथ तीन प्रमुख स्थलों–सिलवासा के कोर एरिया स्टेडियम ग्राउंड, दमण के लाइट हाउस बीच तथा दीव के नागवा बीच पर संपन्न होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 8:00 बजे से होगा तथा यह आमजन एवं पर्यटकों के लिए पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। आयोजन के दौरान दर्शकों को लाइव बैंड, डीजे परफॉर्मेंस तथा मध्यरात्रि में भव्य और आकर्षक आतिशबाजी का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। इस विशेष अवसर पर दमण में प्रसिद्ध गायक कलाकार नीरज श्रीधर, दादरा नगर हवेली में कलाकार युतिका वर्मा एवं कुणाल पंडित, जबकि दीव में सजदा सिस्टर्स द्वारा शानदार लाइव प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी, जो दर्शकों को एक अविस्मरणीय संगीतमय अनुभव प्रदान करेंगी। संघ प्रदेश प्रशासन द्वारा इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य नागरिकों एवं पर्यटकों को वर्ष की अंतिम रात सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं आनंददायक वातावरण में मनाने का अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम के सुचारु एवं शांतिपूर्ण आयोजन हेतु सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। प्रशासन ने सभी नागरिकों एवं पर्यटकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर उत्साह, उल्लास एवं अनुशासन के साथ नववर्ष 2026 का भव्य स्वागत करें।

प्रशासक प्रफुल पटेल से डीएमसी की टीम ने मुलाकातकर लिया मार्गदर्शन

■ डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल ने डीएमसी की टीम की ओर से प्रशासक प्रफुल पटेल का गुलदस्ता भेंट कर किया अभिवादन ■ प्रशासक प्रफुल पटेल ने शहरी विकास, महिला आत्मनिर्भर अभियान सहित विभिन्न विषयों पर डीएमसी प्रेसिडेंट एवं काउंसिलरों का किया मार्गदर्शन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण 30 दिसंबर। डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल की अध्यक्षता में काउंसिलरों की टीम ने केन्द्रशासित प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव तथा लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल से शुभेच्छा मुलाकात की। इस अवसर पर डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल ने डीएमसी की टीम की ओर से प्रशासक प्रफुल पटेल का गुलदस्ता भेंटकर अभिवादन किया। प्रशासक प्रफुल पटेल ने शहरी विकास, महिला आत्मनिर्भर अभियान सहित विभिन्न विषयों पर डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल एवं काउंसिलरों का मार्गदर्शन किया। इस मुलाकात के दौरान काउंसिलरों में अस्पी दमणिया, पीयूष पटेल, कल्पेश सीताराम, सिंपल काटेला, फिरदोश बानो, तमन्ना मिठाणी, रश्मी हलपति, नीला राणा, प्रवीणा राणा, भाविका टंडेल सहित की उपस्थिति रही।

बांग्लादेश की तो निंदा कर दी, देश में मॉब लिंचिंग पर सरकार क्यों चुप-मौलाना मदनी

सहारनपुर (एजेंसी)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने बांग्लादेश में हुई हिंसा की निंदा की है। साथ ही उन्होंने भारत में हो रही हिंसा का भी जिक्र किया है। मौलाना मदनी ने सरकार से पूछा है कि यह दोहरा रवैया क्यों। बांग्लादेश में हिंदू के मारे जाने पर आपने निंदा की लेकिन भारत में भी धार्मिक उग्रवाद और मॉब लिंचिंग हो रही है, लेकिन आपने उसकी निंदा क्यों नहीं की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मौलाना अरशद मदनी ने एक लंबी चौड़ी पोस्ट लिखी है। इसमें उन्होंने लिखा, ''बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, वह बहुत ही बुरा हुआ। यह केवल एक हत्या नहीं, बल्कि हैवानियत और दरिंदगी की इंतिहा है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। इस्लाम इसकी कतई, कतई अनुमति नहीं देता। जिन लोगों ने ऐसा किया है, उन्होंने न केवल इस्लामी शिक्षाओं का उल्लंघन किया है, बल्कि इस्लाम को बदनाम करने का काम भी किया है। इसलिए ऐसे लोगों को कड़ी से कड़ी सज़ा दी जानी चाहिए।'' मदनी ने आगे लिखा है, ''धार्मिक उग्रवाद और नफ़रत हमारे देश को भी तबाह-बर्बाद कर रही है। क्रिसमस के मौके पर ईसाई समुदाय के साथ सांप्रदायिक तत्वों ने जो कुछ किया, उसे भी किसी भी रूप में सही नहीं ठहराया जा सकता। यह संविधान में नागरिकों को दी गई धार्मिक स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। जगह-जगह चर्चों पर हमले हुए, और ईसाई समुदाय को अपना त्योहार मनाने से रोकने की कोशिश की गई।''

यूपी में एसआईआर की तिथि में फिर हुआ बदलाव

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि एक जनवरी, 2026 के आधार पर प्रदेश में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषित तिथियों में संशोधन करते हुए नई तिथियां जारी कर दी गई है। संशोधित तिथियों के अनुसार, अब मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन छह जनवरी, 2026 को किया जाएगा। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि छह जनवरी से छह फरवरी, 2026 तक निर्धारित की गई है। छह जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन छह मार्च, 2026 को किया जाएगा। पूर्व में आयोग ने 31 दिसम्बर यानि कल मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन की तिथि तय की थी।

लातूर : शराब परोसने से मना करने पर बार मालिक की नृशंस हत्या

लातूर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के लातूर जिले में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। चाकूर तालुका के नाइगांव में मात्र शराब और सिगरेट न देने पर 3 युवकों ने मिलकर एक 42 वर्षीय बार मालिक, गजानन कासले, की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, जब कासले अपना बार बंद कर चुके थे, तब तीन युवक जबरन अंदर घुस आए। उन्होंने बंद समय में शराब और सिगरेट की मांग की। जब कासले ने नियमों का हवाला देकर इंकार किया, तब आरोपी हिंसक हो उठे। आरोपियों ने कासले को गालियां देकर लकड़ी के डंडों व लाठियों से उन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। सिर और शरीर पर गंभीर चोटें लगने के कारण कासले की मौके पर ही मौत हो गई। बीच-बचाव करने आए वेटर अजय मोरे को भी बुरी तरह पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल है। आरोपी जाते-जाते काउंटर से 15,000 रुपये नकद, शराब की बोतलें लूट ले गए और बार का टेलीविजन भी तोड़ दिया। इसके बाद स्थानीय पुलिस और एलसीबी ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया। सीसीटीवी फुटेज और खुफिया जानकारी की मदद से पुलिस ने घटना के मात्र 5 घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों के नाम मारुति उर्फ बबलू हरिबा बोयने, संतोष राम तेलंगे, सागर हनुमंत बोयने (ये तीनों रेनापुर तालुका के धवेली गांव के निवासी) हैं। मृतक के भाई बालाजी कासले की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

त्रिपुरा में आक्रोश : बांग्लादेशी गैस टैंकर्स का घेराव

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के जीरानिया और बोधजंग नगर क्षेत्रों में जनता का धैर्य तब जवाब दे गया, जब प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश से आए आठ गैस बुलेट टैंकर्स को रोक दिया। बांग्लादेशी वापस जाओ के नारों के साथ हुआ विरोध प्रदर्शन केवल एक नाकाबंदी नहीं, बल्कि पड़ोसी देश में पनप रहे भारत-विरोधी विमर्श और हिंदुओं पर हो रहे हमलों के खिलाफ एक कड़ा संदेश है। दरअसल बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के आने को विशेषज्ञ केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि कट्टरपंथ का आगमन मान रहे हैं। यूनुस की चीन यात्रा और वहां सेवन सिस्टर्स (पूर्वोत्तर भारत) के लिए बांग्लादेश को गार्जियन बताने वाला बयान भारत की क्षेत्रीय अखंडता के लिए सीधी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। त्रिपुरा जैसे शांत राज्य में इस तरह का प्रदर्शन भारत की बदलती रणनीति और जन-भावनाओं को दर्शाता है। प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट कहना है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार अब स्वीकार्य नहीं हैं। भारत-विरोधी एजेंडा चलाने वालों को भारतीय संसाधनों का लाभ नहीं मिलने दिया जाएगा। सीमा पार से दी जा रही धमकियों का जवाब अब ज़मीनी कार्रवाई से दिया जाएगा।

5 जनवरी से शुरू होगा दिल्ली विधानसभा सत्र, इन मुख्य मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 5 जनवरी से विधानसभा सत्र शुरु होगा। यह तीन दिवसीय शीतकालीन सत्र होगा। सत्र के दौरान पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास के पुनर्निर्माण से जुड़ी कैग रिपोर्ट को लेकर होगी, जिसे सदन के पटल पर रखा जाएगा। इसकी पुष्टि विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने की है। रिपोर्ट में 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले (भाजपा ने शीश महल का नाम दिया है) के नवीनीकरण में हुए खर्च और कथित वित्तीय अनियमितताओं का लेखा-जोखा होने की संभावना है। इसके अलावा सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार ने संकेत दिए हैं कि वे न केवल शीश महल बल्कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और मोहल्ला क्लीनिक से जुड़ी ऑडिट रिपोर्ट भी पेश कर सकते हैं।

चुनाव आते ही दुशासन और दुर्योधन दिखाई देने लगते: सीएम ममता बनर्जी

-शाह के बयान पर बोलीं सीएम- घुसपैठ अगर बंगाल से ही तो फिर पहलगाम हमला क्या आपने कराया?

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान दिए गए बयान पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तंज कसते हुए कहा, शकुनि का चेला दुशासन बंगाल में जानकारी जुटाने के लिए आया है। चुनाव का समय जैसे ही आता है, दुशासन और दुर्योधन दिखाई देने लगते हैं। उन्होंने कहा, कि आज भाजपा कह रही ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी, तो बताएं कि पेट्रापोल और अंडाल में जमीन किसने दी?

बांकुरा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहीं सीएम ममता बनर्जी ने कहा, कि भाजपा कहती है, कि घुसपैठिए सिर्फ बंगाल से ही आते हैं। अगर ऐसा ही है तो क्या फिर पहलगाम में हमला आपने कराया था? दिल्ली ब्लास्ट की जो घटना हुई, उसके पीछे कौन था? यहां उन्होंने कहा, कि भाजपा एसआईआर के नाम पर लोगों को परेशान कर रही है।

दरअसल सीएम ममता का यह बयान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था, कि पश्चिम बंगाल में ममता सरकार घुसपैठ को रोक नहीं पा रही है। अगर राज्य में बीजेपी सरकार बनती है तो यहां परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा। शाह के बयान पर सीएम ममता ने जोरदार हमला बोला है और उन्होंने वो तमाम घटनाएं गिना दी हैं, जिन्हें घुसपैठ से जोड़कर देखा जाता है।

विधानसभा कार्यकाल 7 मई तक

दरअसल, केंद्रीय मंत्री शाह बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर दौरे पर पहुंचे हैं। पश्चिम बंगाल की मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 7 मई 2026 तक का है। चुनाव मार्च-अप्रैल 2026 में होना तय माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल में कुल विधानसभा सीटों की संख्या 294 हैं, और यहां टीएमसी की ममता सरकार है।

डीआरडीओ ने किया पिनाका रॉकेट का पहला सफल परीक्षण रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी बधाई

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सोमवार को ओडिशा की एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर से लंबी दूरी के गाइडेड पिनाका रॉकेट (120 किलोमीटर रेंज) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और डीआरडीओ अध्यक्ष डॉ. समीर.वी. कामत ने इसके लिए डीआरडीओ की समूची टीम को बधाई दी है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने बधाई संदेश में कहा, सफलता के साथ डिजाइन और निर्मित यह रॉकेट सशस्त्र सेनाओं की क्षमता में वृद्धि करेगा। उन्होंने इसे एक गेम चेंजर की संज्ञा भी दी है। वहीं, डॉ. कामत जो इस परीक्षण के साक्षात गवाह भी बने, उन्होंने संगठन की पूरी टीम को परीक्षण यानी मिशन से जुड़े हुए सभी उद्देश्यों को सफलता के साथ प्राप्त करने के लिए बधाई दी। परीक्षण को डीआरडीओ द्वारा रेंज में लगाए गए विभिन्न उपकरणों की मदद से व्यापक रूप से जांचा गया। पिनाका रॉकेट का डिजाइन स्वदेशी रूप से एआरडीई ने एचईएमआरएल और इमारत प्रयोगशाला के साथ मिलकर तैयार किया है।

एयरपोर्ट पर यात्री से मारपीट करने वाला पायलट वीरेंद्र गिरफ्तार, यात्री की टूट गई थी नाक

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर एक यात्री के साथ बदसलूकी और मारपीट मामले में पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी पायलट वीरेंद्र सेजवाल को गिरफ्तार किया है। वीरेंद्र एयर इंडिया एक्सप्रेस का कर्मचारी है और उस पर सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री पर जानलेवा हमला करने का आरोप है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना 19 दिसंबर की है जब पीड़ित यात्री अंकित दीवान अपने परिवार के साथ यात्रा पर निकले थे। सिक्योरिटी चेकिंग के दौरान लाइन में लगने को लेकर पायलट वीरेंद्र और अंकित के बीच बहस हुई। चश्मदीदों के मुताबिक बहस गाली-गलौज तक पहुंची और फिर अचानक पायलट ने अंकित के चेहरे पर जोरदार मुक्का मारा जिससे अंकित की नाक की हड्डी टूट गई उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां मेडिकल रिपोर्ट में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई।

अंकित ने बताया कि यह पूरी घटना उनके छोटे बच्चों के सामने हुई। पायलट की हिंसक हरकत देखकर उनके दोनों बच्चे बुरी तरह डर गए और रोने लगे। पीड़ित के मुताबिक इस घटना ने पूरे परिवार को मानसिक रूप से झकझोर दिया है। बच्चे आजकल सब समझते हैं उन्हें इस सदमे से बाहर निकालना अब सबसे बड़ी चुनौती है।

दिल्ली पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एयरपोर्ट के सुरक्षा क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में आरोपी पायलट साफ तौर पर मारपीट करता दिखाई दिया। वहां मौजूद गवाहों ने भी पुष्टि की कि विवाद को बातचीत से सुलझाया जा सकता था लेकिन पायलट ने शारीरिक हिंसा का रास्ता चुना। पुलिस के मुताबिक आरोपी पायलट वीरेंद्र को अपने किए पर कोई पछतावा नहीं था। इससे पहले एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भी उसे तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया।

संजय राउत का शिंदे गुट पर तंज... पहले शिवसेना हमेशा अग्रणी रही, अब बीजेपी के सामने झुक गई

मुंबई (एजेंसी)। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल है। महायुति द्वारा सीटों के बंटवारे का फार्मूला सामने आने के बाद, यूबीटी शिवसेना सांसद संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर तीखा प्रहार किया है। सांसद राउत ने आरोप लगाया कि शिंदे गुट भाजपा के सामने झुक गया है और उनके द्वारा दी गई सीटों पर चुनाव लड़ेगा। राउत ने कहा कि पिछले 60 वर्षों में शिवसेना ने कभी किसी के सामने समझौता नहीं किया, लेकिन अब शिंदे गुट ने भाजपा के पास जाकर मराठी अस्मिता पर सवाल उठाया है।

सांसद राउत ने कहा कि अब शिवसेना को सीटें भाजपा के कारण मिल रही हैं, जबकि पहले शिवसेना हमेशा अग्रणी रही है। उन्होंने शिंदे गुट पर कटाक्ष कर इस मराठी लोगों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताया। संजय राउत ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ गठबंधन में करीब 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा, एनसीपी के शरद पवार गुट के साथ भी कुछ सीटों का आदान-प्रदान होगा। बीएमसी चुनावों से पहले उद्धव और राज ठाकरे ने मिलकर 'भूमिपुत्र' के मुद्दे को फिर से जोर देने की कोशिश की है।

इस बीच,एनसीपी-एससीपी ने मुंबई के सात वार्डों के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने 37 उम्मीदवारों की सूची के एक दिन बाद 27 और उम्मीदवारों की दूसरी सूची भी जारी की है। इस राजनीतिक गतिरोध ने महाराष्ट्र की सियासत में एक नई हलचल पैदा कर दी है, जहां पुराने और नए गठबंधनों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। बंटवारे, गठबंधन और मराठी अस्मिता का मुद्दा महाराष्ट्र की राजनीति में नई ज्वाला पैदा कर रहा है।

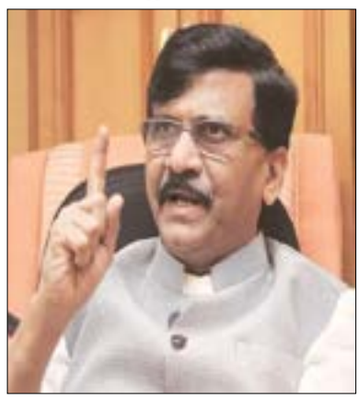

लखनऊ में 170 भेड़ों की अचानक मौत से मचा हड़कंप, सीएम योगी ने दिए जांच के आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के लखनऊ में 170 भेड़े अपने आप मर गईं। यह रहस्यमय मौतें आखिर कैसे हुई है क्या कोई साजिश है यह कोई राष्ट्र विरोधी प्रयोग किया गया है, यह रहस्यमय मौतें अपने आप में कई सवाल खड़े कर रही हैं। इस मामले की जांच हाई लेवल पर की जाएगी। लखनऊ के मड़ियांव क्षेत्र में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के आसपास के इलाके में करीब 170 भेड़ों की रहस्यमय तरीके से मौत के मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं और हरेक भेड़ की मौत के लिए 10 हजार रुपए के मुआवजे की घोषणा भी की है।

गैर-सरकारी संगठन की संस्थापक ने मड़ियांव थाने में दी शिकायत में कहा कि पीएम के हाल ही में हुए कार्यक्रम के बाद राष्ट्र प्रेरणा स्थल के आसपास के इलाके में करीब 170 भेड़ों की अचानक मौत हो गई। प्रथम दृष्ट्या यह पता नहीं है कि इन भेड़ों की मौत कोई अपशिष्ट खाने से हुई या किसी अज्ञात व्यक्ति ने कथित तौर पर उन्हें जहर दिया था। उन्होंने बताया कि सोमवार दोपहर करीब 12 बजे उनकी संस्था को इस मामले की जानकारी मिली थी।

संगठन के संस्थापाक ने पुलिस से मामले की जांच की मांग करते हुए कहा कि भेड़ों की रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत के असली कारणों का पता लगाने के लिए उनके शवों का पोस्टमार्टम किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में अगर कोई लापरवाही पाई जाती है या जहर दिए जाने की पुष्टि होती है तो आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। संगठन इस मामले की जांच में हरसंभव मदद करेगा।

संगठन के संस्थापक ने यह भी कहा कि यह घटना 'बहुत गंभीर' और 'संवेदनशील' है। जानवरों के प्रति क्रूरता और लापरवाही की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। अगर समय पर निष्पक्ष जांच नहीं की गई, तो भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा भी हो सकती है। इस बीच, मड़ियांव के थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उन्नाव रेप कांड: कुलदीप सेंगर की बेटी ने पिता के लिए न्याय मांगते हुए लिखी भावुक चिट्ठी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के चर्चित उन्नाव दुष्कर्म मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी है, जिसमें सेंगर को राहत देने की बात कही गई थी। शीर्ष अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पष्ट किया कि ऐसे अपराध के दोषियों को किसी भी सूरत में जमानत नहीं मिलनी चाहिए। जहां एक ओर पीड़िता न्याय की अपनी लंबी लड़ाई लड़ रही है, वहीं दूसरी ओर इस मामले ने एक नया मोड़ ले लिया है। कुलदीप सेंगर की बेटी डॉ. इशिता सेंगर ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी चुप्पी तोड़ते हुए एक भावुक और विचारोत्तेजक पत्र साझा किया है।

डॉ. इशिता सेंगर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले आठ वर्षों से उनका परिवार न्याय की उम्मीद में खामोश रहा, लेकिन अब उनकी सहनशक्ति जवाब दे रही है। उन्होंने लिखा, मैं यह पत्र एक ऐसी बेटी के रूप में लिख रही हूं जो थक चुकी है और डरी हुई है। आठ साल तक हमने इस उम्मीद में चुप्पी साधे रखी कि अगर हम कानून और संविधान का सम्मान करेंगे, तो सच स्वतः सामने आ जाएगा। हमने संस्थानों पर भरोसा किया और किसी भी तरह का शोर या प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन अब मेरा वह विश्वास टूट रहा है।

इशिता ने समाज और सोशल मीडिया पर होने वाले मीडिया ट्रायल पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी व्यक्तिगत पहचान को केवल भाजपा विधायक की बेटी के लेबल तक सीमित कर दिया गया है, जिससे उनकी इंसानियत और बोलने के अधिकार को छीना जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने कभी अदालती दस्तावेज या रिकॉर्ड नहीं देखे, उन्होंने भी उनके परिवार के खिलाफ राय बना ली है। इशिता ने साझा किया कि उन्हें और उनके परिवार को लगातार अमानवीय व्यवहार, गालियों और यहां तक कि दुष्कर्म और मौत की धमकियों का सामना करना पड़ता है।

पत्र में इशिता ने अपनी आर्थिक और भावनात्मक थकान का जिक्र करते हुए कहा कि वे हर उस अधिकारी और संस्थान के पास गईं जहां से न्याय की उम्मीद थी, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर उनके पास वास्तव में वह ताकत होती जिसका जिक्र अक्सर किया जाता है, तो क्या उन्हें आठ वर्षों तक बेजुबान रहकर अपने नाम को कीचड़ में घसीटे जाते हुए देखना पड़ता? इशिता का कहना है कि आज न्याय व्यवस्था और संस्थाओं पर डर और जनता के उन्माद का दबाव इतना अधिक है कि तथ्यों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने अपील की है कि कानून को बिना किसी बाहरी दबाव, हैशटैग या लोकप्रिय राय के काम करने दिया जाए। उन्होंने अंत में भावुक होते हुए लिखा, मैं एक ऐसी बेटी हूं जिसे अब भी इस देश पर विश्वास है, कृपया मुझे इस विश्वास पर पछतावा न करने दें। यह पत्र अब कानूनी गलियारों और सार्वजनिक मंचों पर नई चर्चा का केंद्र बन गया है, जो एक हाई-प्रोफाइल मामले के दूसरे पक्ष की मानवीय जद्दोजहद को दर्शाता है।

जाते-जाते दिसंबर की सर्दी: उत्तर भारत में बारिश, बर्फबारी और घने कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली। साल 2025 का अंत देश के बड़े हिस्से में कड़कड़ाती ठंड और बारिश की दोहरी मार के साथ होने जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा अनुमानों के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम भारत के कई राज्यों में बारिश और पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बर्फबारी की संभावना है, जिससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा सकती है। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार की सुबह घने कोहरे की चादर के साथ हुई, जिससे दृश्यता काफी कम रही और यातायात पर असर पड़ा। केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्य भी आने वाले दिनों में घने कोहरे के साये में रहेंगे।

मौसम विभाग के अनुसार, एक नए विक्षोभ के सक्रिय होने से पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी राजस्थान में 30 दिसंबर को हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, पहाड़ों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर, गिलगिट-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 30 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच छिटपुट बारिश के साथ बर्फबारी का अनुमान है। पहाड़ों पर हो रही इस बर्फबारी का सीधा असर मैदानी इलाकों पर पड़ेगा, जिससे ठिठुरन और बढ़ने के आसार हैं। कोहरे को लेकर जारी चेतावनी में बताया गया है कि 31 दिसंबर तक हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सुबह और शाम के समय बहुत घना कोहरा छा सकता है। 1 जनवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश और 2 जनवरी तक ओडिशा में भी इसी तरह की स्थितियां बनी रहेंगी। इसके अलावा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड और सिक्किम जैसे राज्यों में 5 जनवरी तक घने कोहरे का प्रभाव बना रहेगा। हिमाचल प्रदेश में 31 दिसंबर और 1 जनवरी को शीत दिवस रहने की संभावना जताई गई है, जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार में भी 30 दिसंबर को कड़ाके की ठंड पड़ने की उम्मीद है।

तापमान के उतार-चढ़ाव को लेकर मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन इसके बाद फिर से 2 से 3 डिग्री की गिरावट आएगी। मध्य भारत में भी न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की जाएगी, जबकि पूर्वी भारत के राज्यों जैसे झारखंड में अगले पांच दिनों के दौरान धीरे-धीरे तापमान बढ़ेगा। हालांकि, ओडिशा के कुछ हिस्सों में 31 दिसंबर तक शीत लहर चलने की आशंका है, जो नए साल के स्वागत के जश्न को थोड़ा ठंडा कर सकती है। कुल मिलाकर, उत्तर से लेकर पूर्व तक पूरा भारत इस समय मौसम के कड़े मिजाज का सामना कर रहा है।

दिल्ली के प्रदूषण संकट पर संजीव सान्याल का बयान, प्रदूषण का ठीकरा दिवाली पर फोड़ना गलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अर्थशास्त्री और इतिहासकार संजीव सान्याल ने दिल्ली के प्रदूषण संकट पर बयान दिया है। उनका मानना है कि प्रदूषण का ठीकरा दिवाली पर फोड़ना गलत है। इसके बजाय हमें बुनियादी कारणों, जैसे चरमराते पब्लिक ट्रांसपोर्ट और पैदल चलने लायक फुटपाथों की कमी पर ध्यान देना चाहिए।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य ने कहा कि दिल्ली के प्रदूषण संकट का समाधान तभी हो सकता है जब नागरिक और नीति-निर्माता असली कारणों पर ध्यान दें, न कि बेकार की बहसों में उलझें। सान्याल ने बताया कि वायु प्रदूषण पर सार्वजनिक चर्चाएं अक्सर मुख्य मुद्दों पर भटक जाती हैं जिनका कोई खास असर नहीं होता। उन्होंने दिवाली पर होने वाली बहसों का जिक्र कर कहा, दुर्भाग्य से हम दिवाली के बारे में बेकार की बहस करते हैं, जिसका इससे कोई लेना-देना नहीं है।

सान्याल ने बताया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण एक जटिल समस्या है। इसके कई दीर्घकालिक कारण हैं। इन पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, पराली जलाने के गंभीर मुद्दे हैं। यह समस्या का एक हिस्सा है। यह एकमात्र मुद्दा नहीं है। कंस्ट्रक्शन डस्ट यानी निर्माण धूल के गंभीर मुद्दे हैं। कूड़ा जलाने के मुद्दे हैं। इसी तरह के अन्य मुद्दे भी हैं।

हालांकि, उन्होंने जोड़ा कि यह प्रणाली सबसे महत्वपूर्ण चरण में विफल होती है। तब जब यात्री स्टेशन से बाहर निकलते हैं। सान्याल ने कहा, आप दिल्ली मेट्रो से बाहर निकलकर घोर अव्यवस्था में आ जाते हैं। उन्होंने समझाया कि असली समस्या उचित लास्ट-माइल कनेक्टिविटी की कमी में है।

पैदल चलने के महत्व पर जोर देकर सान्याल ने इस किसी भी शहर में परिवहन का सबसे जरूरी कदम बताया। उन्होंने कहा, यह सबसे सस्ता है। यह स्वीकार कर कि वे खुद एक साइक्लिस्?ट हैं, सान्याल ने स्पष्ट किया कि साइकिल चलाने को पैदल चलने के साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए। साइकिल चलाना पैदल चलने का स्थान नहीं ले सकता। उन्होंने पैदल चलने वालों के बुनियादी ढांचे, विशेष रूप से फुटपाथों में निवेश की कमी की भी आलोचना की। उनके अनुसार, शहर लगातार पैदल चलने वालों के स्थानों को प्राथमिकता देने में विफल रहते हैं। उन्होंने बताया कि जिसे अक्सर सड़क चौड़ीकरण कहा जाता है, वह वास्तव में पैदल चलने वालों को नुकसान पहुंचाता है। सान्याल ने कहा, सड़क चौड़ीकरण क्या है? यह पैदल चलने वाले स्थान को संकरा करना है।

चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशियों की घुसपैठ को बढ़ावा दे रही ममता बनर्जी : अमित शाह

■ बीजेपी की सरकार बनने पर एक-एक घुसपैठियों को बाहर किया जाएगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की ममता सरकार पर जोरदार हमला बोला है। बीजेपी के चाणक्य शाह ने कहा कि ममता सरकार हमें जमीन नहीं दे रही इस कारण हम बांग्लादेश सीमा की बाड़बंदी (फेंसिंग) पूरी नहीं कर सके। शाह ने कहा कि सीएम ममता बनर्जी चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशियों की घुसपैठ को बढ़ावा दे रही हैं। बंगाल के लोग घुसपैठ को लेकर चिंतित हैं। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि बीजेपी पूर्वी सीमाओं से घुसपैठ रोकेगी और सत्ता में आकर बंगाल का पुनरुत्थान करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार के कारण पूरे बंगाल में विकास मानो रुक सा गया है। पीएम मोदी की ओर से शुरू की गई सभी फायदेमंद योजनाएं बंगाल पहुंचकर टोल सिंडिकेट का शिकार हो गई हैं। पिछले 14 सालों से डर और भ्रष्टाचार बंगाल की पहचान बन गए हैं। उन्होंने कहा कि 15 अप्रैल 2026 के बाद, जब पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनेगी, तब हम बंग गौरव और बंग संस्कृति को फिर से जिंदा करने वाले है। 2014 के लोकसभा चुनाव का जिक्र कर शाह ने कहा कि हमें उस चुनाव में बंगाल में 17 प्रतिशत वोट और दो सीटें मिली थीं। 2016 के विधानसभा चुनाव में हमें 10 प्रतिशत वोट और तीन सीटें मिलीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में 41 प्रतिशत वोट और 18 सीटें मिलीं। 2021 के विधानसभा चुनाव में हमें 38 प्रतिशत वोट और 77 सीटें मिलीं। अमित शाह ने कहा कि जिस पार्टी को सिर्फ 3 सीटें मिली थीं, उस दल को पांच साल के अंतराल में 77 सीटें मिलीं। 2024 के आम चुनाव में बीजेपी ने 39 प्रतिशत वोट और 12 सीटें प्राप्त कीं। उन्होंने कहा कि 2026 में निश्चित रूप से प्रचंड बहुमत के साथ बंगाल में बीजेपी की सरकार बनेगी।

प्राकृतिक खेती से उत्पादन घटता नहीं, भ्रम तोड़ना जरूरी : राज्यपाल आचार्य देवव्रत

■ राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक में प्राकृतिक, जैविक और रासायनिक खेती पर तीन साल के शोध के निष्कर्ष प्रस्तुत

गांधीनगर (ईएमएस) राज्य में प्राकृतिक कृषि के क्षेत्र में हो रही गतिविधियों की समीक्षा के लिए गांधीनगर स्थित लोकभवन में राज्यपाल आचार्य देवव्रत की अध्यक्षता में राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि मंत्री जीतू वाघाणी तथा कृषि राज्य मंत्री रमेश कटारा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि आज भी लोगों में यह धारणा व्यापक है कि प्राकृतिक खेती अपनाने से उत्पादन घटेगा और देश की खाद्य सुरक्षा संकट में पड़ जाएगी, लेकिन यह मान्यता पूरी तरह भ्रामक है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्राकृतिक खेती में उत्पादन कम नहीं होता, इस भ्रम को तोड़ना आवश्यक है।

राज्यपाल ने यह भी स्पष्ट किया कि प्राकृतिक खेती और जैविक (ऑर्गेनिक) खेती एक जैसी नहीं हैं, बल्कि दोनों के बीच जमीन-आसमान का अंतर है। उन्होंने समझाया कि जैविक खेती में खर्च और मेहनत अधिक होती है, जबकि प्राकृतिक खेती में बहुत कम लागत में स्वस्थ उत्पादन प्राप्त होता है। जैविक खेती में शुरुआती दो-तीन वर्षों में उत्पादन कम मिलने के कारण कुछ लोग प्राकृतिक खेती को भी उसी पैमाने से आंक रहे हैं, लेकिन अब यह शंका दूर होगी। उन्होंने बताया कि गुजरात की चार कृषि विश्वविद्यालयों–दांतीवाड़ा, जूनागढ़, आनंद और नवसारी–ने तीन वर्षों तक प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और रासायनिक खेती, इन तीनों मॉडलों पर तुलनात्मक शोध किया है। तीन साल के गहन अनुसंधान के बाद चारों विश्वविद्यालयों ने स्पष्ट निष्कर्ष दिया है कि प्राकृतिक खेती में उत्पादन घटता नहीं है।

राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गुजरात के अधिक से अधिक किसान प्राकृतिक कृषि अपनाएं, इसके लिए सरकार की योजनाओं का प्रभावी और सही तरीके से क्रियान्वयन किया जाए। अपने ग्रामीण दौरों के अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि वे स्वयं तालुका स्तर पर जाकर किसानों के बीच रहते हैं और गुजरात के अनेक किसान प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कार्बन क्रेडिट प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के लिए आय का एक नया स्रोत बन सकता है। कई संस्थाएं कार्बन फुटप्रिंट कम करने के बदले किसानों को प्रोत्साहन देती हैं, जो प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक सहारा बन सकता है। राज्यपाल ने प्राकृतिक कृषि के आधार स्तंभ मानी जाने वाली देशी गायों की संख्या बढ़ाने और उनकी नस्ल सुधार के लिए भी सुझाव दिए। उन्होंने राज्यभर में सेक्स्ड सॉर्टेड सीमन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उचित व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया।

इस अवसर पर कृषि मंत्री जीतू वाघाणी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और राज्यपाल आचार्य देवव्रत के मार्गदर्शन में आज गुजरात के लाखों किसान प्राकृतिक कृषि कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी वर्ष में और 2 लाख किसान प्राकृतिक खेती अपनाएं, इसके लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्य किया जाए। साथ ही कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों, सहायक योजनाओं, प्रशिक्षण, अनुसंधान और शिक्षा से जुड़ी कार्यप्रणाली की समीक्षा कर वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक सुझाव दिए।

बैठक में कृषि, किसान कल्याण एवं सहकार विभाग के अपर मुख्य सचिव आर.सी. मीणा, राजभवन के अपर मुख्य सचिव अशोक शर्मा, संयुक्त सचिव नितिन संगवान, कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, कृषि विज्ञान केंद्र, आत्मा, पशुपालन विभाग तथा कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नए साल की पहली किरण को नमस्कार : गुजरात राज्य योग बोर्ड का ऐतिहासिक योग अभियान

गांधीनगर (ईएमएस) । गुजरात राज्य योग बोर्ड द्वारा आगामी 1 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक और गौरवशाली कार्यक्रम "नए साल की पहली सूर्य किरण को नमस्कार" का आयोजन किया जा रहा है। आज की युवा पीढ़ी जहां नए साल के स्वागत में पार्टियों की ओर आकर्षित हो रही है, वहीं उन्हें हमारी प्राचीन भारतीय योग संस्कृति से जोड़ने के उद्देश्य से यह अनोखी पहल की गई है। इस ऐतिहासिक योग सत्र में उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी सहभागिता करेंगे और राज्य के युवाओं को योग के प्रति प्रेरित करेंगे। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसका सीधा प्रसारण YouTube Live के माध्यम से किया जाएगा। राज्य के कोने-कोने से लाखों नागरिक, विद्यार्थी, खिलाड़ी और सरकारी कर्मचारी 1 जनवरी 2026 को सुबह 7:00 से 8:00 बजे तक अपने मोबाइल के माध्यम से इस लाइव सत्र से जुड़ सकेंगे। हर व्यक्ति अपने घर के आंगन, छत या पास के बगीचे में रहकर सूर्य नमस्कार और ध्यान के साथ नए वर्ष का स्वागत करेगा।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आज की युवा पीढ़ी को यह संदेश देना है कि 1 जनवरी केवल पश्चिमी संस्कृति की तरह नया कैलेंडर वर्ष मनाने का दिन नहीं, बल्कि शरीर और मन को ऊर्जा से भरने का सुनहरा अवसर है। यह नए वर्ष की सूर्यनारायण की नवीन किरणों को नमन करने का पावन क्षण है। "वेस्टर्न कल्चर से योग की ओर" और "विदेशी से स्वदेशी की ओर" के मंत्र के साथ यह अभियान गुजरात के युवाओं को एक नई सकारात्मक दिशा देगा।

गुजरात राज्य योग बोर्ड द्वारा इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रत्येक नागरिक को प्रोत्साहित करने हेतु डिजिटल सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। लाइव सत्र के दौरान दी गई लिंक के माध्यम से सभी प्रतिभागी अपना सर्टिफिकेट डाउनलोड कर सकेंगे। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए राज्य सरकार के विभिन्न विभाग, शिक्षण संस्थान, खेल अकादमियां और सामाजिक संगठन भी सक्रिय रूप से जुड़ेंगे। गुजरात राज्य योग बोर्ड ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे 1 जनवरी के प्रथम सूर्योदय का स्वागत योग और सूर्य नमस्कार के साथ करें।

कैसे जुड़ें? नागरिकों को 1 जनवरी की सुबह 7:00 बजे गुजरात राज्य योग बोर्ड की आधिकारिक YouTube चैनल पर लाइव जुड़ना होगा। अधिक जानकारी और पंजीकरण के लिए बोर्ड ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे https://suryanamaskar.gsyb.in वेबसाइट पर विज़िट करें।

आज स्विगी, जोमैटो, ब्लिंकइट और जेप्टो के गिग वर्कर कर सकते हैं हड़ताल

नई दिल्ली,(ईएमएस)। 31 दिसंबर यानी साल 2025 का आखिर दिन स्विगी, जोमैटो, ब्लिंकइट और जेप्टो के डिलीवरी करने वाले गिग वर्कर हड़ताल की योजना बना रहे हैं। अगर ये सभी हड़ताल पर चले गए, तो इन कंपनियों को एक ही दिन में करोड़ों रुपए का नुकसान हो जाएगा। ये कंपनियां ऑनलाइन खाना लोगों तक पहुंचाती हैं, और नए साल में ज्यादा ऑर्डर्स आते हैं। यदि हड़ताल होती है तो डिलीवरी रुक जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डिलीवरी बॉयज लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि उन्हें कम पैसे मिलते हैं। काम ज्यादा है और सिक्योरिटी नहीं है। अगर वे 31 दिसंबर को काम बंद कर दें, तो इन कंपनियों के ऐप पर ऑर्डर तो आएंगे, लेकिन सामान पहुंचाने वाला कोई नहीं होगा। नतीजा ग्राहक नाराज और कंपनियों को भी भारी नुकसान होगा। असली नुकसान नए साल की वजह से और ज्यादा हो सकता है, क्योंकि उस दिन पार्टी के लिए ऑर्डर दोगुने-तिगुने तक हो सकते हैं। बता दें स्विगी देश की बड़ी फूड डिलीवरी कंपनी है। इसकी सालाना कमाई करीब 15,227 करोड़ रुपए है। मतलब, औसतन हर दिन 41.7 करोड़ रुपए की बिक्री होती है। कंपनी अभी घाटे में चल रही है। हर 100 रुपए की कमाई पर 20.5 रुपए का घाटा झेल रही है, लेकिन हड़ताल से बिक्री रुक जाएगी, तो नुकसान 41.7 करोड़ रुपए का होगा लेकिन कुछ खर्च बच जाएगा, जैसे डिलीवरी का पैसा, पैकेजिंग इत्यादी। कंपनी करीब 8.5 करोड़ रुपए की बचत कर लेगी। फिर भी कुल मिलाकर कंपनी को बड़ा झटका लगेगा, क्योंकि ग्राहक दूर चले जाएंगे।

torrent POWER DNHDD

बिजली बंद होने की सूचना

उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव पावर कोर्पोरेशन लिमिटेड (ट्रान्समिशन) द्वारा नेटवर्क रखरखाव की योजना बनाई है, ऐसा हमें सूचित किया गया है। निम्न दर्शित संबंधित सबस्टेशनों के सामने दिखाए गए क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए, उल्लेखित तिथियों पर सुबह ८:०० बजे से सांय ६:०० बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

दिनांक	सबस्टेशन	फीडर	क्षेत्र का नाम
०३/०१/२०२६ शनिवार	अथाल	६६/११ केवी से जुड़े सभी उपभोक्ता	६६/११ केवी अथाल एसएस विस्तार के सभी गांव/विस्तार: अथाल ३-रस्ता, बजरंग कृपा आई.ई., खुश्बू गली, कामथ होटल, स्वामिनारायण मंदिर, हिंदुस्तान पेंसिल, सिन्दूर फलिया, सैफ्रोन हाइट्स, सुधीर गली, चौरा फलिया, केंद्री कोटिंग गली, आईपीसीएल गली, धनार फलिया, पार्ले गली, विनोबा आई.ई., आदि एक्सप्रेस फीडर: ६६/११ केवी अथाल एसएस के सभी एक्सप्रेस फीडर
	खड़ाइपाड़ा	६६ केवी उपभोक्ता	६६ केवी उपभोक्ता: करोई टेक्फैब, क्लासिक मार्बल खड़ाइपाड़ा
	दादरा	पीटीआर-४	डेमनी गांव, डेमनी मेन रोड, रोहित फलिया, नवी नगरी, नेशनल प्लास्टिक, सीएमसी कंपनी, बड़ौदा पैकेजिंग, दादरा एसएस रोड, दादरा केनाल रोड, खंडेलवाल रोड, सिद्धि विनायक कंपनी रोड, ग्लासवुड इंजीनियरिंग, आकाश इंजीनियरिंग, भगवती सीड्स ईन्ड, ऐसीऐमई टाईल्स ईन्ड. रोड

असुविधा के लिए खेद है

आरसीसीबी/ईएलसीबी का प्रमुख लाभ आपके परिवार की सुरक्षा का वादा

अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर स्थापित करें और सुरक्षित रहें

एक छोटी सी डिवाइस आपको बिजली के झटके से बचाएगी

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित

24/7 Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551

connect.torrentpower.com

connect.dnhdd@torrentpower.com

NOTICE to Appear/Attend Proceedings of DLM&SFC-LDH Through this Publication

This is for Constructive Notice for respondent M/s GINI & JONY LTD. having registered office at ADD I: 57/2(1), A BUILDING, 56/2, B BUILDING, MAHESHWARI WADI, SOMNATH ROAD, RINGANWADA, NANI DAMAN, DADRA AND NAGAR HAVELI & DAMAN AND DIU, 396210; ADD II: A-601, CITIPOINT, J.B NAGAR, NEXT TO KOHINOOR CONTINENTAL ANDHERI, KURLA ROAD, ANDHERI EAST, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400059 to appear in person or through authorized representative before the District Level Micro & Small facilitation Council Ludhiana, District Industries Centre, Ludhiana on Dated 02-02-2026 regarding claim reference petition submitted by claimant M/S ABS FABRICS U/s 18(1) OF MSMED Act 2006 bearing reference: MSEFC/DIC10/24/3266. If respondent still fails or omits to appear as above then arbitration proceedings shall be conducted as per section 23 & 25 of Arbitration and Conciliation Act and award shall also be passed on the basis of evidence before it.

Member Secretary cum General Manager
District Industries Centre, Industrial Estate, Ludhiana
Ph.No:- 0161-2540695.
Email id: dicludhiana5@gmail.com
Ludhiana.msefc@gmail.com

Adv. for applicant: M N Paida
Next date: 06/01/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-000877-2025
C. M. A. No. 612/2025

1. Kishorkumar Rana & Anr. .... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. .... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parents names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage Entry No. 649/2014, dated: 08/08/2014.

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 23/12/2025.

By Order
A.S. / Superintendent, Diu

Adv. for applicant: M N Paida
Next date: 09/01/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-000906-2025
C. M. A. No. 630/2025

Savitaben Giva. .... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. .... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parents names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage Entry No. 407/2015, dated: 03/06/2015.

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 23/12/2025.

By Order
A.S. / Superintendent, Diu

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM RUCMANY CHIBCA TO **RUXMANIBEN DHIRUBHAI DAMANIA**
ADDRESS: - 8/84/5-1, MORA FALIA, NANI DAMAN-396210.

Ekta Travels

Diu to Ahmedabad-Mumbai-Baroda-Surat-Navsari-Daman-Vapi

2+1 Sleeper A/c Coach
Air and Railway Booking

GSRTC Online Booking
Jethibai Bus Station, Diu
Contect here for Online Booking
Also Booking All types of Four Wheeler & Hire Bike on Rent

Email: ektatravel5053gmail.com

Hitesh: Mo.: 9898618424, 94261 33112, Ph. (O) (02875)253474, 255500

Bharat Express

Diu To Daman - Silvassa

Baroda -Bharuch -Ankleshwar -Surat. Navsari -Chikhli -Valsad -KillaPardi Vapi -Bhilad -Mumbai -Ahmedabad

Office
02875
225990

Mo.9426989796
Mo.9104980990

नये वर्ष में अनुत्तरित सवालों के जबावों की तलाश

ललित गर्ग

नया साल कोई जादुई समाधान नहीं लाता, वह केवल एक अवसर देता है-अपने अनुत्तरित सवालों से ईमानदारी से जूझने का। यदि हम 2025 की घटनाओं से प्रेरणा लेकर 2026 में सही प्रश्न पूछने का साहस कर पाएं, तो उनके उत्तर स्वतः रास्ता बना लेंगे। यही नये वर्ष की सच्ची कामना, संकल्प और सबसे बड़ी उपलब्धि हो सकती।

एक और वर्ष इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुका है। वर्ष 2025 केवल कैलेंडर का एक अंक नहीं था, बल्कि वह घटनाओं, चेतावनियों, उपलब्धियों और विडंबनाओं का ऐसा संगम रहा, जिसने समाज, राजनीति और विकास की हमारी समूची अवधारणाओं को कठघरे में खड़ा किया। नये वर्ष में प्रवेश करते समय यह केवल उल्लास, संकल्प और शुभकामनाओं का क्षण नहीं है, बल्कि गहरे आत्ममंथन का अवसर भी है। सवाल यह नहीं कि नया साल हमें क्या देगा, सवाल यह है कि बीते वर्ष ने हमें क्या सिखाया और हम उन सीखों को अपने जीवन, नीतियों और प्राथमिकताओं में कितना उतार पाए। हर नया वर्ष अपने साथ उम्मीदों की नई रोशनी लेकर आता है, लेकिन वह बीते वर्ष की छायाओं से मुक्त नहीं होता। उन छायाओं को समझना और उनसे सबक लेना ही नये वर्ष की सच्ची शुरूआत है।

वर्ष 2025 की ओर दृष्टि डालें तो यह स्पष्ट होता है कि भारत और विश्व दोनों स्तरों पर विकास और संकट साथ-साथ चले। एक ओर भारत ने डिजिटल अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष विज्ञान, बुनियादी ढांचे और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति को मजबूत किया, वहीं दूसरी ओर पहलगाम की आतंकी घटना, पर्यावरणीय आपदाएं, महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और चिकित्सा की बढ़ती लागत, सामाजिक विषमता और राजनीतिक अविश्वास जैसे प्रश्न और भी गहरे होते चले गए। ये वे अनुत्तरित सवाल हैं, जिनके समाधान के बिना नये भारत और सशक्त भारत की संकल्पना अधूरी ही रहेगी। जाते हुए वर्ष के आंकडों एवं घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि केवल आर्थिक आंकड़ों की चमक से किसी राष्ट्र की वास्तविक स्थिति नहीं आंकी जा सकती, उसके लिए आम जनजीवन की सच्चाइयों को समझना जरूरी है। पहलगाम की आतंकी घटना ने एक बार फिर आतंकवाद के भयावह चेहरे को उजागर किया, लेकिन उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब केवल पीड़ित नहीं, बल्कि निर्णायक और साहसी प्रतिकार करने वाला राष्ट्र है। इस सटीक कार्रवाई ने पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद की पोल खोलते हुए दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपनी सुरक्षा, संप्रभुता और नागरिकों के जीवन के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। आतंक के विरुद्ध भारत की यह नीति-न तो उकसावे में आना, न ही चुप रहना, एक परिपक्व, सक्षम और आत्मविश्वासी राष्ट्र की पहचान बन चुकी है, जिसने सीमा पार बैठे आतंकी संरक्षकों को गहरा और ठोस जवाब दिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राएं और उनकी वैश्विक नेतृत्व-छवि भारत के उभार को नई

ऊंचाइयों तक ले जाती दिखती हैं। कूटनीति, निवेश, तकनीक और आपूर्ति-श्रृंखलाओं में भारत की भूमिका सुदृढ़ हुई है, जिससे देश के भीतर विश्वास और आशाओं का संचार हुआ है। स्थिर शासन, सुधारों की निरंतरता और वैश्विक साझेदारियों के बल पर भारत का तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना अब एक दूर का स्वप्न नहीं, बल्कि साकार होता परिदृश्य प्रतीत होता है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर रुख, नक्सलवादमुक्त भारत और अर्थव्यवस्था में आत्मनिर्भर, नवोन्मेषी गति-इन तीनों ने मिलकर भारत को विश्व मंच पर निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया है। पर्यावरण वर्ष 2025 की सबसे बड़ी चेतावनी बनकर सामने आया। जलवायु परिवर्तन अब केवल वैज्ञानिक रिपोर्टों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय नहीं रहा, बल्कि वह आम आदमी के जीवन का कठोर यथार्थ बन चुका है। हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन, उत्तर भारत में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, महानगरों में दमघोंटू प्रदूषण और तटीय इलाकों में चक्रवातों की बढ़ती तीव्रता-ये सभी घटनाएं एक ही संकट की अलग-अलग अभिव्यक्तियां हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, केरल, पूर्वोत्तर और अन्य राज्यों में आई प्राकृतिक आपदाओं ने यह दिखा दिया कि प्रकृति से खिलवाड़ का मूल्य सबसे पहले गरीब और वंचित चुकाते हैं। विकास की अंधी दौड़ में जब पहाड़ों को काटा जाता है, नदियों को बांधा जाता है और जंगलों को उजाड़ा जाता है, तो उसका परिणाम विनाश के रूप में सामने आता है। नये वर्ष में यह सवाल हमारे सामने खड़ा है कि क्या विकास का अर्थ केवल सड़कें, पुल, सुरंगें और ऊंची इमारतें है, या वह जीवन, प्रकृति और भविष्य की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। जब तक पर्यावरणीय संतुलन को विकास नीति के केंद्र में नहीं रखा जाएगा, तब तक हर नया साल नई आपदाओं की आहट लेकर आता रहेगा। वर्ष 2025 ने हमें यह सोचने को विवश किया है कि प्रकृति के साथ सामंजस्य ही स्थायी विकास का एकमात्र रास्ता है।

प्रदूषण और स्वास्थ्य का संकट भी 2025 में और अधिक गहराया। दिल्ली-एनसीआर सहित अनेक शहरों की हवा लंबे समय तक ह्यगंभीरह्न श्रेणी में बनी रही। यह केवल प्रदूषण के आंकड़े नहीं थे, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य पर मंडराता खतरा था। जल प्रदूषण, प्लास्टिक कचरे और रासायनिक अपशिष्ट ने गांवों और कस्बों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सवाल यह है कि क्या आर्थिक विकास के नाम पर हम अपने ही जीवन स्रोतों को नष्ट करने के लिए तैयार हैं। नया वर्ष यह सोचने की प्रेरणा देता है कि स्वास्थ्य केवल अस्पतालों और दवाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और सुरक्षित पर्यावरण उसका मूल आधार हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में 2025 ने कई कड़वी सच्चाइयों को उजागर किया। विदेशों में पढ़ाई लगातार महंगी होती गई और देश के भीतर निजी शिक्षा संस्थानों की फीस मध्यम वर्ग की पहुंच से भी बाहर होती चली गई। शिक्षा का बढ़ता बाजारीकरण गरीबी के दुष्चक्र को और मजबूत कर रहा है। गरीब का बच्चा शिक्षा से वंचित रहता है और अशिक्षा उसे फिर उसी गरीबी में धकेल देती है। बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, चौराहों और कारखानों में काम करते बच्चों की तस्वीरें विकास के दावों पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। नया वर्ष यह गंभीर सवाल सामने रखता है कि क्या शिक्षा अधिकार है या विशेषाधिकार। यदि शिक्षा वास्तव में राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला है, तो उसे बाजार की वस्तु क्यों बना दिया गया है। चिकित्सा व्यवस्था भी 2025 में आम आदमी की सबसे बड़ी चिंता बनी रही। सरकारी योजनाओं और दावों के बावजूद गंभीर बीमारी आज भी आर्थिक तबाही का कारण बन जाती है। निजी अस्पतालों की मनमानी, महंगी जांचें और दवाइयों की बढ़ती कीमतें यह प्रश्न खड़ा करती हैं कि क्या जीवन भी अब खरीदने-बेचने की वस्तु बन गया है। नया साल यह मांग करता है कि स्वास्थ्य को सेवा के रूप में पुनर्परिभाषित किया जाए, न कि मुनाफे के साधन के रूप में। महामारी और आपदाओं के अनुभव यह सिखाते हैं कि मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली ही किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति होती है।

भ्रष्टाचार और राजनीति का संकट भी 2025 में लगातार चर्चा का विषय बना रहा। आरोप-प्रत्यारोप, घोटालों की खबरें और राजनीतिक कटुता ने लोकतंत्र के प्रति आमजन के विश्वास को कमजोर किया। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है, बल्कि वह जनविश्वास, पारदर्शिता और जवाबदेही की निरंतर परीक्षा भी है। जब जनता को यह महसूस होता है कि नीतियां उसके हितों के बजाय कुछ चुनिंदा वर्गों के लिए बन रही हैं, तो असंतोष और निराशा जन्म लेती है। नया वर्ष यह सवाल उठाता है कि क्या राजनीति सेवा का माध्यम बनेगी या केवल सत्ता का साधन बनी रहेगी। वर्ष 2025 ने हमें यह सिखाया कि चुनौतियां केवल समस्याएं नहीं होतीं, वे भविष्य की दिशा भी तय करती हैं। पर्यावरण संकट हमें टिकाऊ विकास की ओर बुलाता है, शिक्षा और स्वास्थ्य की चुनौतियां हमें मानवीय मूल्यों की याद दिलाती हैं और गरीबी व भ्रष्टाचार हमें सामाजिक न्याय की अनिवार्यता समझाते हैं। नये वर्ष की नाव इन्हीं अनुभवों और सबकों के सहारे आगे बढ़ सकती है। यदि हम विकास को प्रकृति-संवेदनशील बनाएं, शिक्षा और चिकित्सा को लोककल्याण का आधार मानें, राजनीति में नैतिकता और प्रशासन में पारदर्शिता स्थापित करें और गरीबी उन्मूलन को केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जीवन की वास्तविकता में उतारें, तो नये वर्ष का स्वागत सार्थक होगा।

नया साल कोई जादुई समाधान नहीं लाता, वह केवल एक अवसर देता है-अपने अनुत्तरित सवालों से ईमानदारी से जूझने का। यदि हम 2025 की घटनाओं से प्रेरणा लेकर 2026 में सही प्रश्न पूछने का साहस कर पाएं, तो उनके उत्तर स्वतः रास्ता बना लेंगे। यही नये वर्ष की सच्ची कामना, संकल्प और सबसे बड़ी उपलब्धि हो सकती।

संपादकीय

भारत के हासिलों का साल

नववर्ष 2026 दहलीज पर खड़ा मुस्करा रहा है। हालांकि वैश्विक स्तर पर 2025 युद्धों, हमलों और विध्वंस का साल रहा। छह अलग-अलग मोर्चों पर युद्ध लड़े गए और अब भी आसार बने हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध अब भी जारी है। ईरान और इजरायल में कभी भी बारूद की बारिश हो सकती है। चीन का जापान और ताइवान के साथ तनाव बढ़ रहा है, लिहाजा अपने-अपने मोर्चों पर हथियारों की तैनाती की जा रही है। बेशक अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप 8 युद्धों को शांत कराने का दावा करते रहें, लेकिन अमरीकी लड़ाकू विमानों, युद्धपोतों, पनडुब्बियों और कमांडो सैनिकों ने वेनेजुएला की ऐसी घेराबंदी कर रखी है मानो किसी ने गला दबा कर सांस ही रोक दी हो! गाजा का तनाव और हमास आतंकी संगठन की मौजूदगी भी युद्ध को सुलगाए हुए है। सीरिया में भी हमले किए जा रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने नाटो और यूरोप के खिलाफ परमाणु युद्ध की बार-बार धमकी दी है। नाटो और यूरोप भी रूस के साथ लंबी लड़ाई लड? की तैयारी कर रहे हैं। 2026 में युद्धों की विभीषिकाओं और विनाश से मुक्ति मिल सकेगी, ऐसे आसार नहीं हैं, क्योंकि अब ये वर्चस्व और विस्तारवाद के युद्धों में परिणत हो गए हैं। 2025 में भारत ने भी आतंकवाद के दो विस्फोटक और हत्यारे हमले झेले हैं, नतीजतन मई में पाकिस्तान के खिलाफ करीब 90 घंटे का युद्ध लड?ा पड़ा। कश्मीर के पहलगाम के एक पर्यटक स्थल पर आतंकियों ने सैलानियों का धर्म पूछ कर हिंदुओं की हत्या की। उस आतंकी हमले में 26 मासूम मारे गए थे। प्रतिक्रिया में भारतीय सेना ने पाकिस्तान में सक्रिय 100 से अधिक आतंकियों को मार डाला, उनके मुख्यालयों को मिट्टी-मलबा कर दिया और कुछ प्रमुख एयरबेसों को तबाह कर दिया। उनकी मरम्मत आज भी जारी है। दूसरा विस्फोट 10 नवंबर को लालकिले के पास आत्मघाती हमले में किया गया। उसमें 15 मासूम मारे गए और करीब 30 लोग घायल हुए। इस हमले के जरिए डॉक्टरों के जिस आतंकी गिरोह का पदार्फाश हुआ, उसने देश को चौंका दिया। सवाल उठते रहे कि उच्च शिक्षित डॉक्टर भी जेहादी और आतंकी कैसे और क्यों बने? बहरहाल इन दो नकारात्मक और देश-विरोधी घटनाओं के अलावा, भारत में सकारात्मक और सुखद बहुत कुछ हुआ है।

चिंतन-मनन

जाल हैं राग और द्वेष

परमानंद को समझा नहीं जा सकता और उसे पाना भी अत्यंत कठिन है। कई जीवन कालों के बाद परमानंद की प्राप्ति होती है और एक बार पाने पर इसे खोना तो और भी कठिन है। जीवन में तुम्हें तलाश है केवल परमानंद की- अपने स्रेत के साथ तुम्हारा दिव्य मिलन और संसार में बाकी सबकुछ तुम्हें इस लक्ष्य की प्राप्ति से विचलित करता है। असंख्य कारण, विभिन्न तरीकों से तुम्हें उस लक्ष्य से विमुख करते हैं; लाख बहाने, जो न समझे जा सकते हैं, न बताए जा सकते हैं, तुम्हें घर नहीं पहुंचने देते। राग और द्वेष से मन चंचल रहता है। केवल जब मन शांत होता है, तब परमानंद उदित होता है। परमानंद वास है दिव्यता का, सभी देवों का। केवल मानव शरीर में ही इसे पाया जा सकता है, अनुभव किया जा सकता है। एक बार मानव जीवन पाकर, तथा इस मार्ग पर आकर भी यदि तुम्हें यह समझ में नहीं आता, तो तुम बड़े नुकसान में हो। राग और द्वेष तुम्हारे हृदय को कठोर बनाते हैं। यदि हृदय में रूखापन है तो केवल व्यवहार में विनम्रता होने से कोई लाभ नहीं। संसार को यह परवाह नहीं कि तुम अंदर से कैसे हो। संसार केवल तुम्हारा बाहरी व्यवहार देखता है। परंतु, ईश्वर को यह परवाह नहीं कि तुम बाहर से कैसे हो- वे केवल तुम्हारे अंदर देखते हैं। थोड़ा-सा भी राग या द्वेष का अंश कभी भी अपने दिल में मत बसाओ। इसे तो गुलाब के फूल की तरह रहने दो- ताजा, कोमल और सुगंधित। यह कैसा भ्रम है- तुम किसी व्यक्ति या वस्तु को नापसंद करते हो, और यह तुम्हारे हृदय को कठोर बनाता है। और इस कठोरता को निर्मल होने में बहुत समय लगता है। राग और द्वेष ऐसे जाल हैं जो तुम्हें अनमोल खजाने से दूर रखते हैं। इस भौतिक संसार में कोई भी चीज तुम्हें तृप्ति नहीं दे सकती। बाहरी दुनिया में संतुष्टि खोजने वाला मन अधिक अतृप्त हो जाता है और यह अतृप्ति बढ़ती ही जाती है; शिकायतें तथा नकारात्मक स्वभाव दिमाग को कठोर बनाने लगते हैं, सजगता को ढक देते हैं और पूरे वातावरण में नकारात्मकता का विष फैला देते हैं। जब नकारात्मकता शिखर छूती है, एक अत्यधिक फूले हुए गुब्बारे की तरह फूट जाती है और फिर से दिव्यता में आ जाती है।

आस्था बनाम साँसें: कबूतर, कानून और हमारी सामूहिक गैर-जिम्मेदारी

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में आस्था अक्सर तर्क से बड़ी हो जाती है। यही कारण है कि यहाँ मंदिर के बाहर घंटियों की आवाज से ज्यादा तेज कभी-कभी साँसों की घुटन होती है, लेकिन हम सुनना नहीं चाहते। मुंबई की एक अदालत का हालिया फैसला—जिसमें सार्वजनिक स्थान पर कबूतरों को दाना डालने पर रू.5000 का जुमार्ना लगाया गया—इसी टकराव की एक स्पष्ट और साहसी मिसाल है। यह फैसला कबूतरों के खिलाफ नहीं, बल्कि उस मानसिकता के खिलाफ है जो भावुकता के नाम पर विज्ञान, कानून और सार्वजनिक स्वास्थ्य को कुचल देती है।

हमारे समाज में कबूतरों को दाना डालना 'पुण्य' माना जाता है। सुबह-सुबह बालकनी, छत या पार्क में मुट्ठी भर दाना डालकर आत्मसंतोष पा लिया जाता है—मानो किसी बड़ी मानवता की सेवा हो गई हो। लेकिन सवाल यह है कि क्या बिना परिणाम समझे किया गया कर्म सच में दया कहलाता है? चिकित्सा विज्ञान लगातार चेतावनी देता रहा है कि कबूतरों की सूखी बीट हवा में घुलकर क्रिप्टोकोकोसिस, हिस्टोप्लास्मोसिस, हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस और साल्मोनेला जैसी जानलेवा बीमारियाँ फैला सकती है। ये बीमारियाँ कोई काल्पनिक डर नहीं हैं, बल्कि अस्पतालों में भर्ती असली मरीजों की सच्ची कहानियाँ हैं। दमा, फेफड़ों के रोगी, बुजुर्ग और बच्चे—सबसे पहले इन्हीं की साँसें दांव पर लगती हैं।

मुंबई की अदालत ने इस मामले को केवल नगर निगम के आदेश के उल्लंघन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे सीधे-सीधे जनस्वास्थ्य के लिए खतरा माना। क्ढउ की धाराओं के तहत सजा यह संकेत देती है कि अब राज्य सिर्फ बीमारियों का इलाज नहीं करना चाहता, बल्कि बीमारी पैदा करने वाली सामाजिक आदतों को भी रोकना चाहता है। यह देश में पहली बार हुआ है कि कबूतरों को दाना डालने जैसे सामाजिक रूप से स्वीकृत कृत्य को अपराध की श्रेणी में रखा गया है। यह फैसला बताता है कि कानून अब भावनाओं से नहीं, उनके प्रभावों से संवाद करेगा।

इस पूरे विवाद में सबसे असहज सवाल धर्म और परंपरा से जुड़ा है। कुछ लोग इसे आस्था पर हमला बता रहे हैं, लेकिन क्या धर्म कभी बीमारी फैलाने की अनुमति देता है? क्या किसी भी धार्मिक ग्रंथ में यह लिखा है कि पुण्य कमाने के लिए दूसरों की जान जोखिम में डाल दी जाए? खुद सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियाँ साफ कह चुकी हैं कि कबूतरों को दाना खिलाना कोई धार्मिक अनिवार्यता नहीं है, फिर भी विरोध जारी है। दरअसल यह विरोध आस्था का नहीं, ज़िद का है—अपनी आदतें न बदलने की ज़िद।

शहर अब गाँव नहीं रहे। घनी आबादी, ऊँची इमारतें, सीमित हवा और साझा स्थानों के बीच एक छोटी सी लापरवाही बड़े संकट में बदल जाती है। बालकनी में डाला गया दाना सिर्फ कबूतरों को नहीं बुलाता, बल्कि उनके साथ बीमारी, गंदगी और संक्रमण की पूरी श्रृंखला भी खड़ी कर देता है। विडंबना यह है कि वही लोग जो मास्क, वैक्सीन और वैज्ञानिक चेतावनियों पर सवाल उठाते हैं, वे पुण्य के नाम पर शहरों को जैविक कचरे का अड्डा बना देते हैं।

इस बहस में यह स्पष्ट कर देना जरूरी है कि कबूतर दोषी नहीं हैं। वे तो अपने स्वभाव के अनुसार जी रहे हैं। दोषी हम हैं—हमारी अवैज्ञानिक भावुकता, हमारी सुविधा की आस्था और हमारी सामूहिक गैर-जिम्मेदारी। अगर सच में दया करनी है तो नियंत्रित, सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीकों से कीजिए—पशु कल्याण संगठनों के माध्यम से, खुले सार्वजनिक स्थलों पर नहीं।

मुंबई अदालत का यह फैसला हमें साफ संदेश देता है कि आस्था निजी हो सकती है, लेकिन उसका असर सार्वजनिक जीवन को बीमार नहीं कर सकता। दया का मतलब नुकसान पहुँचाना नहीं होता और कानून अब इस फर्क को समझने लगा है। यह फैसला सिर्फ एक शहर या एक मामले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है कि अगर हमने समय रहते अपनी आदतें नहीं बदलीं, तो आने वाले समय में 'आस्था' भी अदालत के कटघरे में खड़ी होगी।

आज जरूरत इस बात की है कि हम पुण्य को नए सिरे से परिभाषित करें। वह कर्म पुण्य नहीं हो सकता जो किसी बच्चे की साँस छीन ले। वह आस्था पवित्र नहीं हो सकती जो अस्पतालों की कतारें बढ़ा दे। मुंबई अदालत का यह फैसला कबूतरों के खिलाफ नहीं, बल्कि बेहिसाब भावुकता के खिलाफ है। यह याद दिलाने के लिए कि इंसान होने की पहली शर्त है—दूसरे इंसान की ज़िंदगी का खयाल। अगर आस्था सच में सच्ची है, तो उसे विज्ञान से डर नहीं लगेगा।

(कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी कामयाबी

कुमार कृष्णन

बिहार में नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षाबलों को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। इसे नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।मुंगेर के हवेली खड़गपुर में बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार और अपर पुलिस महानिदेशक विधि व्यवस्था ऑर्डर कुंदन कृष्णन के सामने तीन इनामी नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है।मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर स्थित एक कॉलेज मैदान में आयोजित समर्पण समारोह में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के तीन सक्रिय नक्सलियों ने बिहार पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। सरेंडर करने वालों में दो नक्सली ऐसे हैं जिन पर सरकार ने 3-3 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

बिहार पुलिस के महानिदेशक विनय कुमार की मौजूदगी में तीन नक्सलियों नारायण कोड़ा, बहादुर कोड़ा और विनोद कोड़ा ने हथियार डाल दिए।

नारायण कोडाः यह पीएलजीए का जोनल कमांडर था। बिहार सरकार ने इसकी गिरफ्तारी पर 3 लाख रुपये का इनाम रखा था। इसके खिलाफ मुंगेर, लखीसराय और जमुई में लगभग दो दर्जन मामले दर्ज हैं।

बहादुर कोडाः पीएलजीए के सब-जोनल कमांडर के पद पर सक्रिय था। इस पर भी 3 लाख रुपये का सरकारी इनाम था। इस पर भी दो दर्जन के करीब संगीन मामले दर्ज हैं।

विनोद कोडाः यह सशस्त्र दस्ते का सदस्य है। इसके खिलाफ लखीसराय जिले में तीन मामले दर्ज हैं।

जमुई का कुछ हिस्सा झारखंड से लगता है। ऐसे में ये तीनों नक्सली बिहार में वारदात के बाद झारखंड भाग जाते थे। जब झारखंड में कुछ होता था तो बिहार चले आते थे।

बिहार पुलिस के आधिकारिक बयान के अनुसार, आत्मसमर्पण के दौरान, नक्सलियों ने बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी सौंपे, जिसमें दो 5.56 एमएम इनसास राइफलें, चार 7.62 एम एम एस एल आर राइफलें, 150 राउंड 5.56 एम एम जिंदा कारतूस, 353 राउंड 7.62 एम एम जिंदा कारतूस, और बम/बम डेटोनेटर के साथ-साथ अन्य सामान शामिल हैं।

सरकार की आत्मसमर्पण-सह-पुनर्वास नीति के तहत इन नक्सलियों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। बिहार पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार- प्रत्येक को 2.5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई। साथ ही इनामी नक्सलियों के परिवार को 3 लाख रुपये की इनामी राशि मिलेगी। बिहार पुलिस के मुताबकि, रोजगारपरक प्रशिक्षण के लिए 36 महीनों तक 10,000 रुपये प्रति माह (कुल 3.6 लाख रुपये) भी दिए जाएंगे। वहीं सरेंडर के दौरान जो हथियार नकस्लियों ने दिए हैं, उनके बदले में 1.11 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि भी उन्हें दी जाएगी। इसके अलावा सरेंडर करने वाले नकस्लियों को आवास, राशन, आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, शिक्षा और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ भी मिलेगा।

बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने कहा कि वामपंथी उग्रवाद की जो समस्या थी भारत में, उसमें प्रत्येक राज्य ने काफी तेजी से उपलब्धियां हासिल की हैं। जिन इलाकों में वामपंथी उग्रवाद की काफी गंभीर समस्या थी, उन इलाकों में काफी सारे इलाके से उग्रवाद समाप्त हुए हैं।

बिहार पहला राज्य है जहां पर बड़ी तेजी से नक्सलवाद खत्म हुआ। बिहार में 2005 के बाद से ही पटना, जहानाबाद, अरवल वगैरह जिला पूरी तरीके से नक्सल मुक्त हो गए।धीरे-धीरे हम लोगों ने जो 23 जिले हमारे अति उग्रवाद प्रभावित थे, वो शून्य हो गए। अभी 4 जिले मात्र हैं, जो 'लीगेसी एंड थ्रस्ट' जिले हैं। मतलब वो उग्रवाद प्रभावित नहीं है, लेकिन हम लोग निगरानी रख रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि जो उग्रवाद प्रभावित इलाके थे, उनमें विकास की परियोजनाओं का इतना विकास हुआ है कि नक्सलवाद खत्म हो गया। वहां पर आप अभी जाएंगे, तो वहां एक से एक विकास की परियोजनाएं हैं।वहां सड़क, एक्सप्रेसवे, नेशनल हाईवे वगैरह की स्थापना हुई है। स्किल डेवलपमेंट किया गया है, स्कूल-कॉलेज स्थापित हुए हैं। तो विकास की परियोजनाओं को इस प्रकार से वहां पर लाया गया है कि वहां के जो युवा वर्ग हैं, जो उग्रवाद की ओर उन्मुख हो गए थे, वे मुख्यधारा में आ गए हैं।पंचायती राज संस्थाओं से युवा जुड़े हैं और क्षेत्र के विकास में काफी रुचि ले रहे हैं।

पुलिस महानिदेशक के अनुसार मुंगेर के हवेली खड़गपुर भीमबांध का जो क्षेत्र था, खड़गपुर हिल्स का क्षेत्र था, यहां 2007 में यहां पर पूरी केंद्रीय कमेटी आई थी और इनका कांग्रेस (अधिवेशन) हुआ था. तो यह इलाका भी काफी प्रभावित था, यहां पर कई गंभीर घटनाएं भी हुई थीं।तो यह इलाका भी अब पूर्ण रूप से कहें कि एकदम ही नगण्य एक-दो लोग बच गए हैं और सभी जो सक्रिय सदस्य थे उग्रवाद संगठन के, उन सभी या तो गिरफ्तार हुए हैं, आत्मसमर्पण हुए हैं और पूरा इलाका यह क्लियर हो चुका है।अब क्लियर होने के बाद हमारा सबसे बड़ा यह उद्देश्य है कि उस इलाके को विकसित कराया जाए।ह्व

विनय कुमार ने कहा कि विभिन्न प्रकार की योजनाओं से, पर्यटन की योजनाएं हों, विकास की योजनाएं हों, इनसे उस इलाके को इस प्रकार से सैचुरेट किया जाए कि वहां के लोग समझें कि सरकार की जबरदस्त वहां उपस्थिति है, प्रशासन की जबरदस्त उपस्थिति है. किसी प्रकार की शून्यता नहीं है, कोई वैक्यूम नहीं है. आज की तिथि में इतनी योजनाएं हैं, इतनी सारी योजनाएं हैं, तो उन योजनाओं को सफलतापूर्वक वहां पर कार्यान्वित किया जाएगा और इलाके को पूरी तरीके से विकास से जोड़ा जाएगा।काफी वहां पर चंद वर्षों में ही आपको दिखेगा कि पूरा खड़गपुर इलाका जो है, वह पर्यटन और हर दृष्टिकोण से काफी विकसित होगा। वहीं बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि सबको मुख्य धारा में आना चाहिए। बिहार के विकास में एक-एक व्यक्ति की जरूरत है और हमारा जो पैकेज है, उनको सहयोग भी किया गया।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

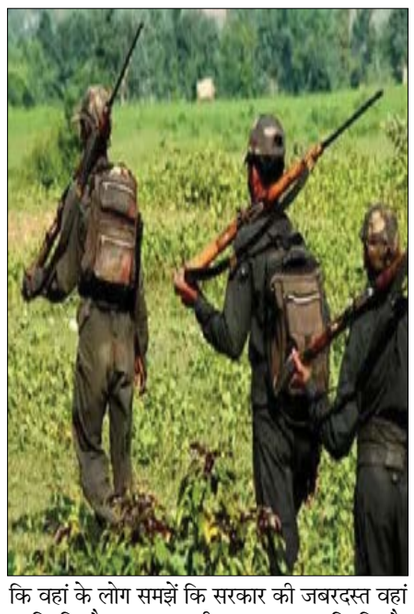

संक्षिप्त समाचार

न्यू जर्सी में दो हेलिकॉप्टर हवा में टकराए; एक पायलट की मौत, दूसरा गंभीर

न्यू जर्सी , एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी स्थित हैमॉन्टन में रविवार को दो हेलिकॉप्टर हवा में टकरा गए। हादसे में एक पायलट की मौत हो गई, जबकि दूसरे को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टर में सिर्फ पायलट ही सवार थे। हैमॉन्टन पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 11:25 बजे हेलिकॉप्टर हादसे की सूचना मिली। मौके से सामने आए वीडियो में एक हेलिकॉप्टर तेजी से गोल-गोल घूमते हुए जमीन की ओर गिरता दिखा। टक्कर के बाद एक हेलिकॉप्टर में आग लग गई, जिसे पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने बुझाया। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के अनुसार, यह टक्कर हैमॉन्टन म्यूनिसिपल एयरपोर्ट के ऊपर हुई। इसमें एनस्ट्रॉम एफ-28ए और एनस्ट्रॉम 280 सी मॉडल के हेलिकॉप्टर शामिल थे। एक पायलट की मौके पर मौत हो गई, जबकि दूसरे को जानलेवा चोटों के साथ अस्पताल ले जाया गया। एफएए और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) हादसे की जांच करेंगे। पूर्व एफएए और एनटीएसबी जांचकर्ता एलन डील के मुताबिक, शुरुआती जांच में यह देखा जाएगा कि दोनों पायलटों के बीच कोई संचार हुआ था या नहीं और क्या वे एक-दूसरे को देख पा रहे थे।

महिला प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी पर बढ़ा बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में महिला प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी को लेकर मानवाधिकार संकट गहराने के आरोप लगे हैं। मंझू शोरी इलाके में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रही महिलाओं पर पुलिस कार्रवाई की बलूचिस्तान बार काउंसिल ने कड़ी निंदा की है। रिपोर्ट के अनुसार महिलाएं लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान की मांग कर रही थीं। बार काउंसिल ने इसे पाकिस्तान के संविधान, कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों का उल्लंघन बताया।

बांग्लादेश में हिंदू श्रमिक की हत्या की अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने की निंदा

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतवंशी अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने बांग्लादेश के एक कपड़ा कारखाने में काम करने वाले हिंदू श्रमिक की हत्या की निंदा की। उन्होंने वैश्विक समुदाय से ऐसे घृणित कृत्यों के खिलाफ आवाज उठाने का आग्रह किया। खन्ना ने सोशल मीडिया पर शनिवार को एक पोस्ट में दास की हत्या को भयानक घटना बताया। डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य व सांसद खन्ना ने कहा, मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उसके मित्रों और परिवार के साथ हैं।

सूरीनाम में 5 बच्चों सहित 9 लोगों की चाकू मारकर हत्या

परमारिबो , एजेंसी। सूरीनाम की राजधानी परमारिबो के बाहरी इलाके में 9 लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में 5 बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि मरने वाले लोग हमलावर के बच्चे और पड़ोसी थे। सूरीनाम पुलिस ने बताया कि हमलावर ने मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों पर भी हमला करने की कोशिश की। हालांकि, हमलावर के पैर में गोली मारकर उसे काबू में किया गया। आरोपी फिलहाल अस्पताल में भर्ती है और इलाज चल रहा है। सूरीनाम दक्षिण अमेरिका का एक छोटा सा देश है जो महाद्वीप के उत्तरी तट पर स्थित है। इसकी सीमा गुयाना, ब्राजील और फ्रेंच गुयाना से लगती है। इसकी आबादी 6 लाख से अधिक है। 1975 में नीदरलैंड से आजादी मिलने के बाद से सूरीनाम को कई बार तख्तापलट और एक गृहयुद्ध का सामना करना पड़ा है।

ह्यूस्टन में तीन शव मिलने के बाद सीरियल किलर की अफवाह फैली, लोग डरे; दलदली जगह से मिल रही लाशें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ह्यूस्टन के बफेलो बायू इलाके में इस सप्ताह तीन शव बरामद किए गए हैं, जिसके बाद से ह्यूस्टन में सीरियल किलर की अफवाह फैल गई है और स्थानीय लोग डरे हुए और परेशान हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ह्यूस्टन में सीरियल किलर की अफवाह तेजी से सोशल मीडिया पर फैल रही है। हालांकि जांच अधिकारी इससे इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि सीरियल किलर की अफवाह का कोई आधार नहीं है। गौरतलब है कि ह्यूस्टन में शव मिलने की घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं बल्कि इस साल सितंबर में भी ह्यूस्टन की दलदली भूमि से पांच शव निकाले गए थे। उसके बाद भी इलाके में सीरियल किलर की अफवाह ने जोर पकड़ा था। स्थानीय मीडिया के अनुसार, पिछले साल ह्यूस्टन के स्थानीय जलमार्गों से 35 शव बरामद किए गए थे और इस साल अब तक 34 शव मिल चुके हैं। ह्यूस्टन के लोगों का कहना है कि इतनी संख्या में शव मिल रहे हैं तो कोई तो है, जो लोगों को मार रहा है। वहीं जांच एजेंसियों का कहना है कि एक जगह पर शव मिलना ही अपराध का संकेत नहीं है।

नए साल में खत्म हो जाएगा रूस-यूक्रेन युद्ध? डोनाल्ड ट्रंप बोले- 95 फीसदी मुद्दों पर बन गई है बात

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को कहा कि हम यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ यूक्रेन में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए समझौते के काफी करीब पहुंच गए हैं। हालांकि, पूर्वी यूक्रेन के विवादित डोनबास क्षेत्र का भविष्य अभी भी एक बड़ा अनसुलझा मुद्दा बना हुआ है। दोनों नेताओं ने फ्लोरिडा स्थित ट्रम्प के मार-ए-लागो रिसॉर्ट में रविवार को 3 घंटे लंबी बैठक की। ट्रम्प और जेलेंस्की ने यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी और डोनबास क्षेत्र के बंटवारे पर प्रगति होने की बात कही, लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं दी और न ही समझौते की कोई समय सीमा बताई। ट्रम्प ने कहा कि कुछ मुद्दों पर बातचीत अभी बाकी है। कुछ हफ्तों में यह पता चल जाएगा कि बातचीत सफल होगी या नहीं। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी पर समझौता हो गया है। वहीं, ट्रम्प ने कहा कि इस पर 95% सहमति बन चुकी है और यूरोपीय देश इस प्रयास का बड़ा हिस्सा संभालेंगे, जिसमें अमेरिका का समर्थन होगा। तीन घंटे तक यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की संग चली वार्ता के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों युद्धविराम के बहुत करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि अब एक या दो ही गंभीर मुद्दे बचे हैं। वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि यह वार्ता बहुत ही सकारात्मक थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी फोन पर बात हुई और ऐसा लगता है कि हम समझौते के बहुत करीब हैं।

रूस ने कहा, डोनबास छोड़ दो : ट्रंप ने कहा कि सुरक्षा की गारंटी को लेकर 95 फीसदी के करीब सहमति बन गई है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस ने यूक्रेन से डोनबास इलाके को छोड़ने को कहा है। बाकी कुछ मुद्दे अभी बाकी रह गए हैं। यह बातचीत अमेरिका के फ्लोरिडा में डोनाल्ड ट्रंप के मार ए लागो रिजॉर्ट में हुई थी।

जेलेंस्की ने क्या कहा : डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि यह वार्ता सफलता के करीब है। जेलेंस्की ने भी इस मीटिंग को सकारात्मक बताया और कहा कि दोनों पक्षों में भरोसा बढ़ा है। जेलेंस्की ने कहा की गारंटी को लेकर पूरी तरह से सहमति बन गई है। वहीं ट्रंप ने कहा कि इस मुद्दे पर 95 फीसदी सहमति बनी है। इसमें यूरोपीय देशों की बड़ी भूमिका होगी औरअमेरिका उनका समर्थन करेगा।

किन बातों पर नहीं बनी सहमति : दोनों नेताओं ने कहा कि डोनबास को लेकर अभी कोई सहमित नहीं बनी है। यूक्रेन चाहता है कि रूस यहां से अपनी सेना को हटा ले। वहीं रूस डोनबास इलाके पर कब्जे का दावा कररहा है। यह मुद्दा गंभीर है। यूक्रेन का कहना है कि जनता की सहमति से ही वह कोई फैसला करेगा। ऐसे में डोनबास में जनमत संग्रह करवाया जा सकता है।

बता दें कि जेलेंस्की से बातचीत से ठीक पहले डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन को फोन घुमाया था। रूस ने कहा कि यह केवल दोस्ताना बातचीत थी। रूस ने कहा कि यूरोप और यूक्रेन की तरफ से जो 60 दिनों को युद्धविराम का प्रस्ताव आया है, उसे लंबा भी किया जा सकता है। डोनबास पर जल्द फैसला करने की जरूरत है। बता दें कि हाल ही में रूस ने राजधानी और अन्य इलाकों पर मिसाइल हमले किए हैं। इससे कीव के एनर्जी संयंत्र प्रभावित हुए हैं। यूक्रेन जाने को भी तैयार डोनाल्ड ट्रंप डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर उनकी यूक्रेन यात्रा से युद्ध खत्म होता है तो वह इस दौरे के लिए तैयार हैं। वह यूक्रेन की संसद को भी संबोधित करेंगे। बता दें कि जेलेंस्की ने उन्हें यूक्रेन आने के लिए आमंत्रित किया है।

ट्रम्प बोले- मैंने 8 जंग रुकवाए, रूस-यूक्रेन जंग सबसे मुश्किल : ट्रम्प ने अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित अपने रिसॉर्ट 'मार-ए-लागो' में जेलेंस्की का स्वागत किया। युद्ध मामले पर चर्चा से पहले, दोनों नेताओं ने रिसॉर्ट के बाहर पत्रकारों से बात की। ट्रम्प ने कहा- मैंने आठ युद्ध खत्म करवाए हैं, लेकिन रूस-यूक्रेन जंग सबसे मुश्किल है। हम बातचीत के अंतिम दौर में हैं। देखते हैं क्या होता है। या तो युद्ध खत्म हो जाएगा या बहुत लंबे समय तक चलता रहेगा और लाखों लोग मारे जाएंगे। ट्रम्प ने कहा- युद्ध कब रुकेगा, इसकी कोई तय समय सीमा नहीं है। मैं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करूंगा। बहुत से लोग मारे गए हैं और दोनों राष्ट्रपति अब समझौता करना चाहते हैं।

जेलेंस्की संग मीटिंग से पहले ट्रम्प ने पुतिन से बात की : ट्रम्प ने जेलेंस्की के साथ मीटिंग से ठीक पहले पुतिन से फोन पर बातचीत की थी। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा- आज दोपहर 1 बजे यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ बैठक से पहले, मेरी रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ फोन पर अच्छी और बहुत ही सार्थक बातचीत हुई। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने पुतिन से दो घंटे से ज्यादा बात की।

ट्रम्प ने कहा कि रूसी नेता ने यूक्रेन की पुनर्निर्माण में मदद करने, सस्ती ऊर्जा सप्लाई करने का वादा किया। ट्रम्प ने कहा, 'रूस यूक्रेन को सफल होते देखना चाहता है, यह थोड़ा अजीब लगता है।' इस दौरान जेलेंस्की मुस्कुराते रहे। ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की से मुलाकात के बाद वे फिर पुतिन से बात करेंगे। ट्रम्प और जेलेंस्की के साथ बैठक में रूस शामिल नहीं होगा।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति वर्षों बाद राष्ट्रपति भवन पहुंचे, ऐतिहासिक ब्लू हाउस में शिफ्ट हुए

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग सोमवार को आधिकारिक राष्ट्रपति भवन चोंग वा डे पहुंचे, जून में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद यह ली जे म्युंग का पहला राष्ट्रपति भवन का दौरा था। यह राष्ट्रपति भवन बीते तीन वर्षों से खाली पड़ा है क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल ने राष्ट्रपति भवन को रक्षा मंत्रालय परिसर में स्थानांतरित कर दिया था।

ऐतिहासिक है दक्षिण कोरिया का ब्लू हाउस : दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास की इमारत बेहद ऐतिहासिक है और इसे ब्लू हाउस कहा जाता है। 9 मई 2022 के बाद पहली बार कोई दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ब्लू हाउस गया है। 9 मई 2022 को तत्कालीन राष्ट्रपति मून जे इन के कार्यकाल का आखिरी दिन था। उनके बाद राष्ट्रपति बने यून सुक योल ने राष्ट्रपति भवन को रक्षा मंत्रालय की इमारत में शिफ्ट कर दिया था। दिसंबर 2024 में यून सुक योल पर देश में मार्शल लॉ लगाने का आरोप लगा और उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया गया। उसके बाद हुए चुनाव में ली जे म्युंग ने सत्ता संभाली।

यून सुक योल ने रक्षा मंत्रालय में शिफ्ट कर दिया था राष्ट्रपति भवन : ब्लू हाउस उत्तरी सियोल में शहर की भागदौड़ से दूर एक पहाड़ी के निचले इलाके में बना है। 62 एकड़ में फैली ये ऐतिहासिक इमारत ऐतिहासिक जियोंगबोकगुंग महल के पास स्थित है और दक्षिण कोरिया के जापान के शासन से आजाद होने के बाद से ही राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास रहा है। हालांकि यून सुक योल का मानना था कि राष्ट्रपति भवन लोगों की पहुंच से दूर है और ज्यादा लोकतांत्रिक होने का हवाला देते हुए रक्षा मंत्रालय परिसर में राष्ट्रपति भवन को स्थानांतरित कर दिया। इस काम में भारी-भरकम रकम खर्च हुई, जिसे लेकर यून की आलोचना भी हुई थी। यून ने ब्लू हाउस को संग्रहालय में तब्दील कर दिया और इसे आम लोगों के लिए खोल दिया गया था।

सीरिया में सांप्रदायिक दंगा, 4 की मौत, दर्जनों घायल; मस्जिद में धमाके के दो दिन बाद झड़प

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में रविवार को अलावी समुदाय के प्रदर्शनकारियों और विरोधी प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, ये झड़पें होम्स शहर में एक मस्जिद पर हुए बम विस्फोट के दो दिन बाद हुईं, जिसमें 8 लोग मारे गए थे और 18 घायल हुए थे। हजारों की संख्या में अलावी प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे, वे अलावी समुदाय के खिलाफ हो रही हत्याओं, गिरफ्तारियों, नौकरियों से बर्खास्तगी और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने संघीय व्यवस्था की मांग भी की। झड़पों के दौरान, लताकिया में सरकार समर्थक प्रदर्शनकारियों ने अलावी प्रदर्शनकारियों पर पत्थर फेंके। सुरक्षा बलों ने दोनों पक्षों को अलग करने की कोशिश की और हवा में गोलीबारी करके भीड़ को तितर-बितर किया। सरकारी टीवी के अनुसार, तर्तूस में किसी ने पुलिस स्टेशन पर हैंड ग्रेनेड फेंका, जिसमें सुरक्षा बलों के दो सदस्य घायल हो गए। लताकिया में सुरक्षा बलों की गाड़ियां आग के हवाले कर दी गईं। सरकारी समाचार एजेंसी साना ने बताया कि गोलीबारी में एक सुरक्षा कर्मी की मौत हो गई और पत्थरों, चाकुओं और गोलीबारी से करीब 60 लोग घायल हुए, जिनमें नागरिक और सुरक्षा कर्मी दोनों शामिल हैं। सरकार ने हमले की निंदा की और दोषियों को सजा देने का वादा किया, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। बशर असद के दिसंबर 2024 में सत्ता से हटने के बाद से सीरिया में संप्रदायिक झड़पें बढ़ गई हैं। असद अलावी थे और तख्तापलट के बाद वे रूस भाग गए थे। मार्च 2025 में असद समर्थकों के हमले के बाद बदले की कार्रवाइयों में सैकड़ों अलावी मारे गए थे। असद के शासन में अलावी सेना और सरकारी नौकरियों में ज्यादा प्रतिनिधित्व रखते थे।

घाना के युवक ने खुद को पैगंबर बताया:25 दिसंबर से प्रलय शुरू होने का दावा किया था

एक्रॉ, एजेंसी। अफ्रीकी देश घाना में 30 साल का एक युवक खुद को भगवान का भेजा हुआ पैगंबर बता रहा है। पहले उसने दावा किया था कि 25 दिसंबर से पूरी दुनिया में ऐसी भयानक बाढ़ आएगी कि धरती पानी में डूब जाएगी और तीन साल तक लगातार बारिश होगी।

यानी 25 दिसंबर से प्रलय की शुरुआत हो जाएगी, हालांकि अब वह कह रहा है कि उसकी प्रार्थना के बाद ईश्वर ने लोगों को और समय दे दिया है। इस युवक का नाम एबो नोआ है। सोशल मीडिया पर वह खुद को 'एबो जीसस' कहता है। इंस्टाग्राम पर उसके करीब 32 हजार फॉलोअर्स हैं। वायरल वीडियो में एबो नोआ कहता दिख रहा है कि उसे भगवान का संदेश मिला है कि बहुत जल्द लगातार बारिश शुरू होगी, जिससे पूरी धरती जलमग्न हो जाएगी और जैसे आज दुनिया चल रही है, उसका अंत हो जाएगा।

एबो नोआ का दावा- उसे 8 नाव बनाने का आदेश मिला : एबो नोआ का कहना है कि भगवान ने उसे पहले से तैयारी करने को कहा है। इसी वजह से वह बड़ी-बड़ी लकड़ी की नावें, यानी आर्क बनवा रहा है। उसका दावा है कि ये नावें ही तबाही के समय लोगों को बचा पाएंगी। वह कहता है कि उसे कुल आठ नावें बनाने का आदेश मिला है। वीडियो में वह खुद एक बड़ी लकड़ी की नाव के पास खड़ा होकर उसके निर्माण की निगरानी करता नजर आता है। इस वीडियो के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कई लोग उसके दावे पर सवाल उठा रहे हैं। कुछ यूजर्स बाइबिल की किताब जेनेसिस का हवाला दे रहे हैं, जिसमें लिखा है कि भगवान ने इंद्रधनुष के जरिए वादा किया था कि वह धरती को दोबारा कभी पूरी बाढ़ से नष्ट नहीं करेंगे। इसी वजह से लोग एबो नोआ की बातों को सच मानने को तैयार नहीं हैं।

अगस्त में भी धरती डूबने का दावा किया था : एबो नोआ इससे पहले भी ऐसे दावे कर चुका है। अगस्त में भी उसने इसी तरह का दावा किया था। अब एबो नोआ कह रहा है कि भगवान ने हमारी प्रार्थना सुन ली है। उन्होंने हमें और वक्त दे दिया है, ताकि हम और नावें बना सकें। इस क्रिसमस का आनंद लीजिए। इस पूरे मामले से जुड़ी एक और अजीब घटना भी सामने आई है। खबर है कि एक शख्स ने गुस्से में आकर एक नाव को जला दिया। उसे लगा कि यही एबो नोआ की नाव है। बताया जा रहा है कि उसकी पत्नी और परिवार वाले बाढ़ की अफवाह सुनकर उस नाव के पास रहने चले गए थे। बाद में पता चला कि वह नाव एबो नोआ से जुड़ी ही नहीं थी। इसके बाद यह मामला और ज्यादा चर्चा में आ गया।

आम चुनाव से पहले दो प्रमुख मधेसी पार्टियां हुईं एक

संयुक्त बयान जारी कर जेएसपी-एलएसपी में विलय का एलान

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल में आगामी आम चुनावों से पहले दो प्रमुख मधेसी राजनीतिक दलों ने एकजुट होने का ऐलान किया है। 5 मार्च को प्रस्तावित आम चुनावों से पहले जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) और लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (एलएसपी) के विलय की घोषणा रविवार को हुई।

संयुक्त बयान जारी कर विलय की घोषणा : नेपाल में आम चुनावों से पहले दो प्रमुख मधेसी पार्टियों ने विलय करने की घोषणा की है। आम चुनाव अगले साल 5 मार्च को होने हैं। ऐसे में महंत ठाकुर के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) और उपेंद्र यादव के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (एलएसपी) ने रविवार को एक संयुक्त बयान जारी कर विलय की घोषणा की है।

दोनों दलों के अध्यक्षों के किया हस्ताक्षर : दोनों दलों के नेताओं ने कहा कि देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति का विश्लेषण करने और संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए यह फैसला लिया गया है। संयुक्त बयान में कहा गया, 'दोनों दलों के एकीकरण का फैसला संघीयता, पहचान, अनुपातिक प्रणाली पर आधारित समावेशिता और सामाजिक न्याय जैसे दूरदर्शी बदलावों से जुड़े मुद्दों को मजबूत कर एक न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के उद्देश्य से लिया गया है। बयान पर दोनों दलों के अध्यक्षों के हस्ताक्षर हैं। साथ ही कहा गया है कि पार्टी एकीकरण से जुड़े आवश्यक विचार-विमर्श और प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं को बाद में पूरा किया जाएगा।

बालेन शाह बने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार : इधर, काठमांडो महानगरपालिका के मेयर बलेंद्र शाह, जिन्हें लोकप्रिय रूप से बालेन के नाम से जाना जाता है, उनको रविवार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नामित किया गया है, उन्होंने और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 5 मार्च को होने वाले नेपाल चुनावों में संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते के अनुसार बालेन और उनका समूह चुनाव आयोग की ओर से दिए गए आरएसपी के चुनाव चिन्ह 'घंटी' पर चुनाव लड़ेगा। बालेन की ओर से अपनी टीम का आरएसपी में विलय करने पर सहमति जताने के बाद पार्टी का नाम, झंडा और चुनाव चिन्ह अपरिवर्तित रहेंगे।

मेक्सिको में ट्रेन पटरी से उतरी, इंजन पलटा:13 की मौत, 98 घायल

ओअक्साका, एजेंसी। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य ओअक्साका में एक ट्रेन के पटरी से उतर गई, जिसके बाद ट्रेन का इंजन पलट गया। कई बोगियां भी पलट गईं। इसमें 13 लोगों की मौत हो गई और 98 लोग घायल हो गए हैं। यह ट्रेन मैक्सिको की खाड़ी और प्रशांत महासागर को जोड़ने वाले एक नए रेलमार्ग पर चल रही थी। इस रेलवे लाइन का संचालन मैक्सिकन नौसेना करती है। मेक्सिकन नौसेना के अनुसार, ट्रेन में 250 लोगों सवार थे, जिसमें 9 क्रू मेंबर शामिल थे। हादसा चिवेला और निजांडा कस्बों के बीच एक मोड़ पर हुआ। घायलों में से 36 को अस्पताल में इलाज दिया जा रहा है। राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाउम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि पांच घायल गंभीर हालत में हैं। उन्होंने सीनियर अधिकारियों को मौके पर भेजकर मृतकों के परिवारों की मदद करने के निर्देश दिए हैं।

सरकारी एजेंसियां घायलों की मदद के लिए पहुंचे : ओअक्साका राज्य के गवर्नर सलोमोन जारा ने एक्स पर पोस्ट करके बताया कि कई सरकारी एजेंसियां हादसे की जगह पर पहुंच गई हैं और घायलों की मदद कर रही हैं। मेक्सिको की अटॉर्नी जनरल अर्नेस्टिना गोदॉय रामोस ने भी सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि इस घटना की जांच शुरू कर दी गई है। यह ट्रेन प्रशांत महासागर के सालिना क्रूज बंदरगाह से अटलांटिक महासागर तक लगभग 290 किलोमीटर की दूरी तय करती है।

रेल लाइन का उद्घाटन 2023 में हुआ था : यह इंटरोशियनिक ट्रेन सेवा 2023 में तत्कालीन राष्ट्रपति एंद्रेस मैनुअल लोपेज ओब्राडोर ने शुरू की गई थी। यह मेक्सिको के दक्षिणी हिस्से में रेल यात्रा को बढ़ावा देने और तेहुआंतेपेक इस्त्मस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास का हिस्सा है। सरकार का योजना इस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए रणनीतिक कॉरिडोर बनाने की है, जहां बंदरगाहों और रेल लाइनों से दोनों महासागरों को जोड़ा जा सके। इस हादसे से रेल सेवा प्रभावित हुई है और बचाव कार्य जारी हैं।

उत्तर कोरिया ने फिर दिखाया हथियारों का दम, लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल का किया परीक्षण

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया है। इसके तहत उत्तर कोरिया ने समुद्र में लंबी दूरी की रणनीतिक क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया है। यह परीक्षण देश की परमाणु ताकत को परखने के लिए किया गया। यह कदम ऐसे समय उठा है, जब उत्तर कोरिया अपनी पहली परमाणु पनडुब्बी के निर्माण में तेजी दिखा रहा है, जिससे कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ गया है। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए (चष्टह्व) के अनुसार, ये मिसाइल परीक्षण रविवार को देश के पश्चिमी तट के पास किए गए।

जब ये परीक्षण किया गया तब वहां खुद उत्तर कोरिया के नेता नेता किम जोंग उन मौजूद थे। उन्होंने इस परीक्षण को लेकर कहा कि देश की परमाणु ताकत की विश्वसनीयता को जांचना और अपनी सैन्य क्षमता दिखाना, बाहरी खतरों के सामने आत्मरक्षा और युद्ध रोकने का जिम्मेदार कदम है।

उत्तर कोरियाई सेना ने की पुष्टि : दूसरी ओर, दक्षिण कोरिया की सेना ने भी पुष्टि की कि रविवार सुबह उत्तर कोरिया की राजधानी क्षेत्र से कई क्रूज मिसाइलें दागी गईं। दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह अमेरिका के साथ अपने सैन्य गठबंधन के तहत किसी भी उत्तर कोरियाई उकसावे का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अब समझिए क्या है कानूनी स्थिति : वहीं बात अगर अब अंतरराष्ट्रीय कानून की स्थिति की करें, तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया को बैलिस्टिक मिसाइल दागने से रोक रखा है। हालांकि, क्रूज मिसाइल के परीक्षण पर सीधी रोक नहीं है। फिर भी, ये मिसाइलें अमेरिका और दक्षिण कोरिया के लिए खतरनाक मानी जाती हैं, क्योंकि ये कम ऊंचाई पर उड़ती हैं, आसानी से दिशा बदल सकती हैं और रडार

से बच निकलती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि युद्ध की स्थिति में उत्तर कोरिया इनका इस्तेमाल अमेरिकी युद्धपोतों और विमानवाहक जहाजों पर हमला करने के लिए कर सकता है।

हाल की अन्य गतिविधियां : बता दें कि पिछले हफ्ते उत्तर कोरिया ने नई एंटी-एयर मिसाइलों का परीक्षण किया। साथ ही, उसने एक परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी की तस्वीरें जारी कीं, जिसका ढांचा लगभग पूरा दिखा। ऐसे में उत्तर कोरिया ने संकेत दिया है कि इस पनडुब्बी में परमाणु मिसाइलें तैनात की जा सकती हैं। परमाणु पनडुब्बी उन कई आधुनिक हथियार प्रणालियों में से एक है, जिन्हें किम जोंग उन अमेरिका के नेतृत्व वाले सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए लाना चाहते हैं।

रूस से नजदीकी का असर : वहीं मामले में कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि हाल के महीनों में रूस के साथ उत्तर कोरिया की नजदीकी, जिसमें यूक्रेन युद्ध में रूस को सैनिक और सैन्य उपकरण भेजना शामिल है, के बदले उत्तर कोरिया को महत्वपूर्ण तकनीक मिल सकती है। ऐसे में विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि अगले साल होने वाले वर्कर्स पार्टी कांग्रेस से पहले उत्तर कोरिया अपने हथियारों के और प्रदर्शन कर सकता है।

अमेरिकी वार्ता से किम जोंग के प्रस्ताव तक, जानिए : गौरतलब है कि 2019 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ परमाणु वार्ता विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम पर और ज्यादा जोर दिया है। हालांकि, सितंबर में किम जोंग उन ने संकेत दिया था कि अगर अमेरिका उत्तर कोरिया के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग छोड़ दे, तो बातचीत फिर शुरू हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि किम अपनी बढ़ी हुई परमाणु ताकत को संभावित वार्ताओं में दबाव बनाने के हथियार के रूप में देख रहे हैं।

शेफाली वर्माकी आईसीसी टी20आई रैंकिंग में बड़ी छलांग, टॉप-6 में हुई एंट्री

दुबई (एजेंसी)। भारतीय स्टार बल्लेबाज शेफाली वर्मा को मंगलवार को आईसीसी द्वारा जारी नवीनतम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है, क्योंकि वह छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। श्रीलंका के खिलाफ घरेलू मैदान पर चल रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद, दाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर छठा स्थान हासिल किया है।

21 वर्षीय वर्मा श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। चार मैचों में, भारतीय सलामी बल्लेबाज ने 118 के आश्चर्यजनक औसत से 236 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। वर्मा इस टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 200 रन का आंकड़ा पार करने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनकी साथी खिलाड़ी और विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष भी सात पायदान ऊपर चढ़कर अद्यतन सूची में संयुक्त रूप से 20वें स्थान पर पहुंच गईं। यह उपलब्धि उन्होंने तिरुवनंतपुरम में श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेली गई नाबाद 40 रन की पारी के बाद हासिल की।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेथ मूनी 794 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई हैं। वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज 774 रेटिंग अंकों के साथ उनके बाद दूसरे स्थान पर हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान 10,000 अंतरराष्ट्रीय रन का आंकड़ा पार किया, 767 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और स्पिनर श्री चरानी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है।

दाएं हाथ की तेज गेंदबाज रेणुका, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट लिए, आठ पायदान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की अद्यतन सूची में संयुक्त रूप से छठे स्थान पर पहुंच गईं। श्रीलंका के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज में चार विकेट लेने वाली बाएं हाथ की स्पिनर चरानी गेंदबाजी रैंकिंग में 17 पायदान ऊपर चढ़कर 52वें स्थान पर पहुंच गई हैं। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा 738 की रेटिंग के साथ शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं। इसके अलावा, अनुभवी ऑलराउंडर को महिला टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनने के लिए श्रीलंका के खिलाफ आगामी पांचवें टी20 मैच में एक और विकेट की जरूरत है। फिलहाल, दीप्ति के नाम 151 विकेट हैं, जो ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के 151 विकेट के बराबर हैं।

टेनिस जगत के नए 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' में किर्गियोस ने सबालेंका को हराया

दुबई (एजेंसी)। निक किर्गियोस ने टेनिस में 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' यानी दो अलग-अलग लिंग के खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में महिला वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका को 6-3, 6-3 से हराया। यह एक प्रदर्शनी मैच था जिसे लैंगिक समानता के लिए एक और ऐतिहासिक क्षण के बजाय हल्के फुल्के मनोरंजन के लिए याद किया जाएगा।

दोनों खिलाड़ी आपस में हंसी ठिठोली कर रहे थे। इस दौरान कुछ अंडर आर्म सर्विस भी देखने को मिली। यहां तक कि दुबई के 17,000 सीटों वाले कोकाकोला एरीना में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए टाइमआउट के दौरान सबालेंका का नृत्य भी देखने को मिला। इस मुकाबले के सबसे महंगे टिकट लगभग 800 डॉलर में बिके।

विंबलडन 2022 के उपविजेता किर्गियोस ने कलाई और घुटने की चोटों के कारण पिछले तीन वर्षों में केवल छह टूर-स्तरीय मैच खेले लेकिन वह कई बार अपनी क्षमता के अनुरूप खेलते हुए दिखाई दिए। उन्हें सबालेंका के कोर्ट के हिस्से के लगभग 10 प्रतिशत छोटे होने का नुकसान उठाना पड़ा लेकिन इसके बावजूद उन्होंने जीत दर्ज की। खिलाड़ियों को प्रत्येक प्वाइंट के लिए दो के बजाय केवल एक सर्विस करने का मौका दिया गया था। जब किर्गियोस ने अपने तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत हासिल की तब तक वह पसीने से भीग चुके थे और दोनों खिलाड़ी नेट पर गले मिलते समय मुस्कुरा रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी किर्गियोस ने मैच के बाद कहा, 'मैं शुरू में थोड़ा नर्वस था लेकिन मुझे लगता है कि यह टेनिस के खेल के लिए एक शानदार कदम है।'

सबालेंका ने कहा, 'यह मैच अगले सत्र के लिए अच्छी तैयारी है। मुझे इसमें बहुत मजा आया और मुझे लगता है कि अगली बार जब मैं उनके खिलाफ खेलूंगी तो मुझे उनकी रणनीति, उनकी ताकत और उनकी कमजोरियों के बारे में पता होगा और यह निश्चित रूप से एक बेहतर मुकाबला होगा।' तथाकथित 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' नाम 1973 में बिली जीन किंग और बॉबी रिग्स के बीच हुए मैच से लिया गया था। किंग ने ह्यूस्टन एस्ट्रोडोम में खेले गए उस मुकाबले को सीधे सेटों में जीता था।

पीसीबी ने अजहर महमूद से समय से पहले किया करार खत्म

- पाकिस्तान टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने राष्ट्रीय टेस्ट टीम के मुख्य कोच अजहर महमूद से उनके अनुबंध की समाप्ति से तीन महीने पहले ही अलग होने का फैसला कर लिया है। पूर्व टेस्ट ऑलराउंडर अजहर महमूद का अनुबंध मार्च 2026 तक था, लेकिन बोर्ड ने उससे पहले ही यह अहम कदम उठा लिया। गौर करने वाली बात यह है कि पाकिस्तान की टेस्ट टीम अपना अगला मुकाबला भी मार्च 2026 में ही खेलने वाली है, ऐसे में पीसीबी का यह फैसला कई सवाल खड़े करता है।

पीसीबी से जुड़े एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार, बोर्ड भविष्य की रणनीति को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लेना चाहता है। सूत्र ने बताया कि अजहर महमूद का अनुबंध भले ही मार्च 2026 में खत्म होना था, लेकिन पाकिस्तान के आगामी टेस्ट दौरे भी उसी समय से शुरू होंगे। ऐसे में बोर्ड पहले से नए मुख्य कोच की तलाश शुरू कर देना चाहता है, ताकि आगे की तैयारियों में किसी तरह की जल्दबाजी न करनी पड़े। अजहर महमूद को दो साल के करार पर नियुक्त किया गया था और उन्होंने पिछले साल ही टेस्ट टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाली थी।

सूत्रों का यह भी कहना है कि पीसीबी केवल मुख्य कोच ही नहीं, बल्कि टेस्ट टीम के सहायक कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव कर सकता है। बोर्ड चाहता है कि नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र से पहले टीम का पूरा ढांचा स्पष्ट और स्थिर हो। पाकिस्तान का अगला टेस्ट अभियान आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत मार्च 2026 में बांग्लादेश के दौरे से शुरू होगा। इसके बाद टीम जुलाई में वेस्टइंडीज और अगस्त-सितंबर में इंग्लैंड का दौरा करेगी। आगे चलकर पाकिस्तान नवंबर-दिसंबर 2026 में श्रीलंका और मार्च 2027 में न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा, जो टीम के लिए बेहद अहम सीरीज होंगी। 50 वर्षीय अजहर महमूद का अंतरराष्ट्रीय करियर काफी अनुभवपूर्ण रहा है। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 21 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उनके नाम 900 रन और 39 विकेट दर्ज हैं। इसके अलावा उन्होंने 143 वनडे मैचों में 1521 रन बनाए और 123 विकेट हासिल किए। अजहर को इससे पहले आकिब जावेद की जगह राष्ट्रीय टेस्ट टीम का कोच बनाया गया था। अब उनके अचानक हटाए जाने के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि पीसीबी किस अनुभवी नाम पर भरोसा जताता है और क्या यह बदलाव पाकिस्तान की टेस्ट क्रिकेट की दिशा बदल पाएगा।

अश्विन ने वरुण चक्रवर्ती और अभिषेक शर्मा को बताया साल का असली सितारा

- मिलाजुला रहा भारत का 2025

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 भारतीय क्रिकेट के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। टीम इंडिया ने साल की शुरुआत शानदार अंदाज में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर की और इसके बाद एशिया कप पर भी कब्जा जमाया। टी20 फॉर्मेट में भारत का दबदबा कायम रहा और टीम पूरे साल कोई भी टी20 सीरीज नहीं हारी। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में टीम का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। घरेलू मैदान पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ 0-2 की हार ने फैंस को निराश किया, जबकि इंग्लैंड दौरे पर भारत ने कड़ी मेहनत के बाद टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई। इस पूरे साल के प्रदर्शन को देखते हुए पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दो ऐसे खिलाड़ियों के नाम बताए हैं, जिन्होंने 2025 में अपनी शानदार खेल से सबका ध्यान खींचा।

अश्विन ने मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को 2025 का भारत का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज करार दिया। अपने यूट्यूब चैनल पर उन्होंने कहा कि वरुण हर बार टीम के लिए एक्स-फैक्टर साबित हुए हैं। जब भी उन्हें मौका मिला, उन्होंने विकेट निकालकर मैच का रुख बदला। अश्विन के मुताबिक, विपक्षी बल्लेबाजों के लिए वरुण को पढ़ पाना बेहद मुश्किल रहा है और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यह भी कहा कि 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की संभावनाओं के लिहाज से वरुण चक्रवर्ती की भूमिका बेहद अहम होने वाली है। आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं, क्योंकि वरुण ने चार वनडे मैचों में 10 विकेट और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 36 विकेट लेकर खुद को व्हाइट-बॉल क्रिकेट का भरोसेमंद गेंदबाज साबित किया है।

अश्विन ने बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा की भी जमकर सराहना की। उन्होंने अभिषेक को भारत की अगली पीढ़ी का एक्स-फैक्टर खिलाड़ी बताया। अश्विन का मानना है कि 2025 में अगर किसी एक खिलाड़ी ने भारत के लिए सबसे ज्यादा प्रभावित किया है तो वह अभिषेक शर्मा हैं। लेफ्ट-हैंड ओपनर ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 21 मैचों में 42.95 की औसत और करीब 193 के स्ट्राइक रेट से 859 रन बनाए, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने भारत को कई मुकाबलों में मजबूत शुरुआत दिलाई।

साल 2025 में एक दौर ऐसा भी आया जब विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों के करियर को लेकर सवाल उठने लगे थे। दोनों ही खिलाड़ी टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन साल के अंत तक उन्होंने दिखा दिया कि वनडे क्रिकेट में उनके पास अभी भी बहुत कुछ देने के लिए बाकी है। अश्विन ने कहा कि रोहित और विराट दोनों के भीतर 50 ओवर का वर्ल्ड कप जीतने की जबरदस्त भूख है और वे 2027 वर्ल्ड कप को लक्ष्य बनाकर पूरी मेहनत कर रहे हैं। उनके मुताबिक, फैंस को इन दिग्गजों के हर मैच का आनंद लेना चाहिए, क्योंकि उन्होंने भारतीय क्रिकेट के कई दौरों को नई पहचान दी है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बुमराह, पंड्या को आराम दे सकता है भारत

मुम्बई । आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी में होने वाली एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ता जनवरी की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर सकते हैं। इसमें फिटनेस, वर्कलोड मैनेजमेंट और बड़े टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को जगह दी जाएगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच एकदिवसीय मुकाबले बड़ौदा, राजकोट और इंदौर में खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेंगी, जो फरवरी 2026 में होने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए अभ्यास को देखते हुए बेहद अहम रहेगी।

गावस्कर ने आईसीसी की पिच रेटिंग प्रणाली पर सवाल उठाये

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पिच रेटिंग प्रणाली पर निशाना साधा है। गावस्कर ने कहा कि एशेज में मैच दो से तीन दिन में खत्म हो रहे हैं पर पिचों को लेकर आईसीसी ने कोई सख्त प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं जब ऐसा भारत या अन्य एशियाई देशों में होता है तो पिचों को खराब करार दे दिया जाता है। गावस्कर ने कहा कि मेलबर्न क्रिकेट मैदान में खेला गया चौथा एशेज टेस्ट दो दिन में ही समाप्त हो गया था। इसमें पहले ही दिन कुल 20 विकेट गिर गए, जो ऑस्ट्रेलिया में किसी टेस्ट के पहले दिन गिरे विकेटों के हिसाब से सबसे अधिक था। वहीं दूसरे दिन भी 16 और विकेट गिरे, जिसके बाद मुकाबला दो दिन भी नहीं चल पाया। इसके बाद भी आईसीसी ने पिच को खराब नहीं बताया। गावस्कर ने पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट का भी मामल उठाया और कहा कि उसमें भी मैच दो दिन के अंदर समाप्त हो गया था। तब भी आईसीसी ने कोई नकारात्मक प्रतिक्रिय नहीं दी। गावस्कर ने मैच रेफरी पर भी सवाल उठाये और कहा कि पर्थ टेस्ट में रंजन मदुगले के रहते पिच को काफी अच्छा कहा गया, जबकि मेलबर्न टेस्ट में नए मैच रेफरी जेफ क्रो होने के कारण उसी तरह की पिच को केवल अच्छा कहा गया जबकि दोनो ही मैच दो दिन ही चले। गावस्कर ने कहा कि दूसरी ओर अगर ऐसा ही कुछ भारतीय पिचों पर होता है तो क्यूरेटरों पर सवाल उठाये जाते हैं। गावस्कर ने कहा कि पर्थ और मेलबर्न की पिचों को कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी खराब बताया था फिर भी आईसीसी ने कोई कठोर प्रतिक्रिया नहीं दी।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 की सेमीफाइनलिस्ट टीमों को लेकर हरभजन सिंह की भविष्यवाणी

- कहा पाकिस्तान बाहर तो अफगानिस्तान अंतिम चार में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के आयोजन में अभी समय बाकी है, लेकिन उससे पहले ही पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने इस बड़े टूर्नामेंट को लेकर अपनी भविष्यवाणी कर दी है। फरवरी 2026 में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस 20 टीमों के टूर्नामेंट को लेकर भज्जी ने चार संभावित सेमीफाइनलिस्ट टीमों के नाम बताए हैं। खास बात यह है कि उनकी सूची में डिफेंडिंग चैंपियन भारत के साथ एक ऐसी टीम भी शामिल है, जिसने सबको चौंका दिया है। हरभजन ने पाकिस्तान को बाहर रखते हुए अफगानिस्तान को सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली टीमों में चुना है।

हरभजन सिंह की इस भविष्यवाणी में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान को सेमीफाइनलिस्ट बताया गया है। पाकिस्तान को बाहर करने और अफगानिस्तान को आगे रखने का फैसला कई लोगों को हैरान कर सकता है, क्योंकि आईसीसी टी20 रैंकिंग में पाकिस्तान सातवें जबकि अफगानिस्तान दसवें स्थान पर है। हालांकि, हाल के वर्षों में अफगानिस्तान ने आईसीसी टूर्नामेंट्स में अपने प्रदर्शन से यह साबित किया है कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में किसी भी बड़ी टीम को चुनौती दे सकता है। मजबूत स्पिन अटैक और निडर क्रिकेट उसकी पहचान बन चुकी है।

एक मीडिया से बातचीत में हरभजन सिंह ने भारत को लेकर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया के पास टी20 वर्ल्ड कप जीतने का शानदार मौका है, क्योंकि वह घरेलू परिस्थितियों में खेलेगी और बाकी टीमों की तुलना में हालात को बेहतर तरीके से समझती है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि वर्ल्ड कप का दबाव हमेशा एक अलग चुनौती होता है और इसे संभालना सबसे अहम पहलू होगा। अगर भारतीय टीम इस दबाव को सही ढंग से झेल लेती है, तो उसका खिताब जीतना पूरी तरह संभव है।

टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया ने 2021 में अपना पहला टी20 खिताब जीता था, जबकि भारत 2007 और 2024 में दो बार चैंपियन बन चुका है। साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान अभी भी अपने पहले टी20 वर्ल्ड कप खिताब की तलाश में हैं। साउथ अफ्रीका ने 2024 में पहली बार फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन उसे भारत के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। हरभजन सिंह ने 2026 वर्ल्ड कप के लिए भारत के कुछ अहम खिलाड़ियों का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक अभिषेक शर्मा, हार्दिक पांड्या, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह इस टूर्नामेंट में भारत की सफलता की कुंजी होंगे। अभिषेक शर्मा के लिए यह पहला टी20 वर्ल्ड कप होगा, जबकि बाकी चार खिलाड़ी 2024 में भारत को चैंपियन बनाने में निर्णायक भूमिका निभा चुके हैं।

एशले गार्डनर का भरोसा, खिताब न होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ही दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एशले गार्डनर का मानना है कि भले ही उनकी टीम इस समय टी20 या वनडे फॉर्मेट की मौजूदा चैंपियन न हो, लेकिन इसके बावजूद ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनी हुई है। गार्डनर ने कहा कि हाल के आईसीसी टूर्नामेंट्स में मिली हार ने टीम पर एक ऐसा दबाव डाला है, जिसकी उसे आदत नहीं रही, लेकिन यही दबाव उन्हें और बेहतर बनने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि फरवरी में जब ऑस्ट्रेलिया घरेलू धरती पर भारत की मेजबानी करेगा, तो टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। गार्डनर ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान कहा कि पिछले कुछ समय में ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपेक्षा से ज्यादा दबाव झेलना पड़ा है। उन्होंने स्वीकार किया कि टी20 और वनडे विश्व कप में मिली हार आसान नहीं थी, लेकिन इसके बावजूद उनका भरोसा अपनी टीम की ताकत पर कायम है। गार्डनर के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया अब भी ऐसी टीम है जो किसी भी हालात में मुकाबला पलटने की क्षमता रखती है और यही उसे बाकी टीमों से अलग बनाती है। ऑस्ट्रेलिया अगले साल फरवरी और मार्च में भारत की मेजबानी करेगा, जहां दोनों टीमों के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय, तीन वनडे और एक टेस्ट मैच की सीरीज खेली जाएगी। गार्डनर ने कहा कि भारत इस दौरे पर पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरेगा और ऐसा होना स्वाभाविक भी है, क्योंकि हाल के समय में भारतीय टीम ने बेहतरीन क्रिकेट खेली है। उन्होंने याद दिलाया कि विश्व कप से पहले की वनडे सीरीज में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को कड़ी चुनौती दी थी और फिर विश्व कप के सेमीफाइनल में भी भारत का पलड़ा भारी रहा था। गार्डनर ने माना कि घरेलू परिस्थितियों में खेलने का फायदा ऑस्ट्रेलिया को मिलेगा, लेकिन उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत को किसी भी तरह से कमतर आंकना बड़ी भूल होगी। उनके अनुसार, भारतीय टीम ऑस्ट्रेलियाई हालात को तेजी से समझने की कोशिश कर रही है, जबकि मेजबान टीम इन परिस्थितियों से बेहतर वाकिफ है। ऐसे में मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पिछले 12 से 18 महीनों में ऑस्ट्रेलिया ने केवल दो मैच गंवाए हैं और दोनों ही सेमीफाइनल थे। गार्डनर के मुताबिक, यह आंकड़ा टीम की निरंतरता और मजबूती को दर्शाता है। हालांकि, 2024 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार अभी भी टीम के लिए एक सबक है, जिससे सीख लेकर ऑस्ट्रेलिया आगे और मजबूत होकर लौटना चाहता है।

विजय हजारे ट्रॉफी में अमन खान का महंगा स्पेल बना चर्चा का विषय, सीएसके की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे सफल टीमों में शुमार चेन्नई सुपर किंग्स के खेमे में उस समय हलचल मच गई, जब विजय हजारे ट्रॉफी से जुड़ी एक चौंकाने वाली खबर सामने आई। पुडुचेरी के कप्तान अमन खान ने झारखंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में ऐसा रिकॉर्ड बना दिया, जिसे कोई भी गेंदबाज अपने नाम नहीं करना चाहेगा। 29 दिसंबर को खेले गए इस लिस्ट ए मैच में अमन खान ने अपने पूरे दस ओवर के स्पेल में 123 रन लुटा दिए, जो लिस्ट ए क्रिकेट के इतिहास का सबसे महंगा गेंदबाजी स्पेल साबित हुआ। अमन खान को आईपीएल 2026 की नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स ने 40 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया है। इससे पहले वह कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमों का भी हिस्सा रह चुके हैं। ऐसे में उनके इस प्रदर्शन ने सीएसके मैनेजमेंट और फैंस दोनों को चिंता में डाल दिया है। विजय हजारे ट्रॉफी के इस मुकाबले में अमन ने न सिर्फ जमकर रन दिए, बल्कि दस ओवर पूरे करने के बावजूद सिर्फ एक ही विकेट हासिल कर सके। उन्होंने दो वाइड भी फेंकी, जिससे उनका स्पेल और ज्यादा महंगा नजर आया।

रोको का टेस्ट से संन्यास स्वाभाविक नहीं, उथप्पा के बयान से फिर गरमाई बहस

- संन्यास को लेकर उठे सवाल आज भी नहीं थम रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दो सबसे बड़े सितारे रोहित शर्मा और विराट कोहली भले ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके हों, लेकिन उनके संन्यास को लेकर उठे सवाल आज भी थमे नहीं हैं। टेस्ट से रिटायरमेंट के सात महीने बाद भी यह बहस जारी है कि क्या दोनों दिग्गजों ने अपनी मर्जी से यह फैसला लिया था या परिस्थितियों ने उन्हें इसके लिए मजबूर कर दिया। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा के बयान ने इस चर्चा को एक बार फिर हवा दे दी है। उथप्पा का मानना है कि विराट और रोहित का टेस्ट क्रिकेट से जाना किसी भी तरह से 'नेचुरल एग्जिट' यानी स्वाभाविक विदाई नहीं लगता। मई महीने में आईपीएल 2025 के दौरान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने कुछ ही दिनों के अंतराल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। सबसे पहले रोहित शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैसले की जानकारी दी थी। यह घोषणा ऐसे समय पर सामने आई थी, जब खबरें आ रही थीं कि इंग्लैंड दौरे से पहले बीसीसीआई के चयनकर्ता उन्हें टेस्ट कप्तानी से हटाने पर विचार कर रहे हैं। फैंस अभी रोहित के संन्यास के कारणों को समझने की कोशिश कर ही रहे थे कि विराट कोहली ने भी टेस्ट से रिटायरमेंट का ऐलान कर सभी को हैरान कर दिया।

विराट कोहली का फैसला इसलिए भी ज्यादा चौंकाने वाला माना गया क्योंकि वह इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में जुटे हुए थे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शतक जड़ने के बाद उनका आत्मविश्वास ऊंचाई पर था और माना जा रहा था कि इंग्लैंड की परिस्थितियों में वह एक बार फिर बड़ी पारियां खेलना चाहते हैं। दिल्ली के रणजी कोच सरनदीप सिंह ने भी दावा किया था कि कोहली इंग्लैंड दौरे को लेकर बेहद उत्साहित थे और पूरी तैयारी कर रहे थे। रॉबिन उथप्पा ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस पूरे मामले पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें यह फैसला किसी भी तरह से स्वाभाविक नहीं लगता। उथप्पा के मुताबिक, यह कहना मुश्किल है कि दोनों पर किसी तरह का दबाव था या नहीं, लेकिन यह साफ है कि यह 'नेचुरल एग्जिट' नहीं था। उनका मानना है कि असली सच्चाई तभी सामने आएगी, जब विराट और रोहित खुद सही समय पर इसे साझा करने का फैसला करेंगे।

उथप्पा ने यह भी कहा कि जब रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब उन्हें लगा था कि रोहित को कुछ समय

का ब्रेक लेकर फिटनेस और मानसिक मजबूती पर काम करना चाहिए। उनके अनुसार, विराट और रोहित दोनों की आंखों में आज भी रन बनाने की भूख साफ नजर आती है। यही वजह है कि उनके अचानक लिए गए इस फैसले को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है और यह बहस शायद तब तक चलती रहेगी, जब तक दोनों दिग्गज खुद अपनी चुप्पी नहीं तोड़ते।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का क्रेज शिखर पर, 15 करोड़ से ज्यादा टिकट रिक्वेस्ट से बना रिकॉर्ड

जेनेवा। फीफा ने सोमवार को बताया कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अब तक 15 करोड़ से अधिक टिकट रिक्वेस्ट मिल चुकी हैं। यह आंकड़ा वर्ल्ड कप टिकटिंग के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है, जबकि रैंडम सिलेक्शन ड्रॉ का मौजूदा चरण अभी आधा ही पूरा हुआ है।

200 से ज्यादा देशों से फैंस की बाढ़- फीफा के अनुसार, 11 दिसंबर को रैंडम सिलेक्शन ड्रॉ टिकटिंग फेज शुरू होने के बाद से 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों के फैंस ने fifa.com/tickets प्लेटफॉर्म पर भारी संख्या में आवेदन किए हैं। यह चरण 13 जनवरी 2026 को समाप्त होगा।

30 गुना से ज्यादा ओवरसब्सक्रिप्शन- फीफा ने बताया कि 2026 वर्ल्ड कप के लिए हर टिकट आवेदन के साथ सबमिट किए गए वेरिफाइड व्यक्तिगत क्रेडिट कार्ड नंबरों के आधार पर 30 गुना से ज्यादा ओवरसब्सक्रिप्शन दर्ज किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि यह मांग 1930 से अब तक खेले गए सभी 22 वर्ल्ड कप संस्करणों के 964 मैचों में मौजूद कुल दर्शकों की संख्या से 3.4 गुना अधिक है।

इन्फेंटिनो बोले—दुनिया का सबसे बड़ा और समावेशी शो-

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, 'फीफा वर्ल्ड कप 2026 दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे अधिक समावेशी आयोजन होगा। फैंस की यह जबरदस्त प्रतिक्रिया इस बात का प्रमाण है कि हमारा खेल दुनिया भर में कितना लोकप्रिय है। उत्तरी अमेरिका में हम इतिहास रचने जा रहे हैं, जहां एकता और बेहतरीन फुटबॉल के जश्न में पूरी दुनिया पहले से कहीं ज्यादा एक साथ आएगी।'

तीन देशों में होगा आयोजन, 48 टीमें लेंगी हिस्सा- फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आगाज 11 जून को होगा। यह टूर्नामेंट कनाडा, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका के 16 शहरों में आयोजित किया जाएगा। 48 टीमें, कुल 104 मैच, फाइनल- 19 जुलाई।

डेंटल सर्जन से अभिनेत्री बनी श्रेया शर्मा, धैर्य और विश्वास के बल पर मस्ती 4 में बनाई जगह

डेंटल सर्जन से अभिनेत्री बनने तक श्रेया शर्मा का सफ़र किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। हरियाणा के एक मेडिकल परिवार से निकलकर उन्होंने अपने सुरक्षित करियर को छोड़ अभिनय के सपने को चुना। बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के मुंबई आकर श्रेया शर्मा ने संघर्ष, ऑडिशन और अस्वीकृतियों का सामना किया। मेहनत, धैर्य और अपने सपनों पर अटूट विश्वास के बल पर उन्होंने मस्ती 4 जैसी बड़ी फिल्म में अपनी जगह बनाई।

कितने ऑडिशन दिए और किसी प्रोजेक्ट को करने से पहले कितनी बार रिजेक्ट हुईं?
जब मैं पहली बार मुंबई पहुंची, तो सबसे बड़ी दिक्कत ये थी कि आखिर रहूं कहां। घर ढूंढने में ही एक महीना लग गया। फिर तीन महीने बाद मैंने काम की तलाश शुरू की। मेरा मेडिकल बैकग्राउंड था, इसलिए इंडस्ट्री के बारे में उतना आइडिया नहीं था। मैंने एक लिस्ट बना ली थी कि इंडस्ट्री में किन-किन लोगों से मुझे मिलना है। मैंने अपना एक अच्छा-सा पोर्टफोलियो भी तैयार किया, ताकि ये दिखा सकूं कि मैं किस तरह के काम करना चाहती हूं। मैंने काफी सारे वर्कशॉप्स भी किए हैं। मैं एक वुमन आर्मी हूं और इंडस्ट्री में मैंने थोड़ा लेट कदम रखा है, लेकिन मुझे एक्टिंग से प्यार है और वो मुकाम मैं जरूर हासिल करूंगी।

मस्ती 4 फिल्म कैसे मिली आपको? कितना पापड़ बेलना पड़ा इस फिल्म को हासिल करने के लिए?
मैंने एक फिल्म की शूटिंग खत्म की थी। उस फिल्म के बाद मैं एक प्रोड्यूसर के ज़रिए मिलान मिलाप जावेरी सर से मिली। उस वक्त मस्ती 4 के ऑडिशन चल रहे थे। मैंने अपनी फिल्म के किरदार 'आंचल' नाम की लड़की के लिए ऑडिशन दिया। जब मिलाप सर मुझे उस किरदार के बारे में बता रहे थे कि वो लड़की अपने हसबैंड का फोन चेक करती है, लोकेशन मंगवाती है, तो मैंने उनसे कहा कि सर, मैं तो रियल लाइफ में भी ऐसी ही हूं। ऑडिशन देने के बाद मैंने बहुत लंबा इंतज़ार किया और डेली कॉल करके पूछा करती थी। मैं किसी भी हाल में ये फिल्म करना चाहती थी, क्योंकि इसी फिल्म से मुझे इंडस्ट्री में ब्रेक मिलता। और कौन नहीं चाहता है आफताब शिवदासानी, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख और अरशद वारसी जैसे एक्टर्स के अपोजिट काम करना, मेरे लिए ये एक बहुत बड़ी ऑपर्च्युनिटी थी।

शरारत मेरे लिए सपने सच होने जैसा

सुपरहिट फिल्म धुरंधर इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हर दिन शानदार कमाई कर रही है। एक तरफ जहां लोगों को इसकी कहानी पसंद आ रही है, तो वहीं इसके एक चर्चित गाने शरारत को भी काफी पसंद कर रहे हैं। इस गाने में टीवी की मशहूर एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा ने अपने शानदार डांस और स्टाइलिश अंदाज से दर्शकों का दिल जीत लिया है। शरारत में उनके डांस मूव्स को न सिर्फ पसंद किया जा रहा है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी यह गाना जमकर वायरल हो रहा है। इस गाने में उनके साथ बिग बॉस 17 फेम आयशा खान भी नजर आई और दोनों की केमिस्ट्री को दर्शक खूब सराह रहे हैं। आईएएनएस से बातचीत के दौरान क्रिस्टल डिसूजा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, "शरारत जैसे गाने के जरिए धुरंधर जैसी बड़ी फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। जब मुझे इस गाने का ऑफर मिला, तब मेरे लिए गाने से ज्यादा फिल्म की स्टारकास्ट मायने रखती थीं, क्योंकि इसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। ऐसे बड़े नामों के साथ जुड़ना ही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी।

क्रिस्टल ने बताया, जब मैंने गाने की शूटिंग शुरू की, तब मुझे इसका कोई अंदाजा नहीं था कि शरारत गाने को कितना फुटेज मिलेगा, कितनी स्क्रीन टाइम होगी, या यह गाना कितना पॉपुलर होगा। मैंने बिना किसी उम्मीद के इस प्रोजेक्ट को हां किया था, क्योंकि मैं बस इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी। आज जब यह गाना दुनियाभर में पसंद किया जा रहा है, तो यह देखकर बेहद खुशी महसूस हो रही है। उन्होंने बताया कि इस गाने की शूटिंग महज तीन दिनों में पूरी की गई थी, लेकिन मेहनत और एनर्जी पूरी टीम ने भरपूर लगाई।

जब उनसे कोरियोग्राफर विजय गांगुली के एक इंटरव्यू के बयान को लेकर पूछा गया, जिसमें उन्होंने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने सबसे पहला नाम तमन्ना भाटिया का दिया था, तो इस सवाल पर क्रिस्टल ने बेहद सादगी के साथ जवाब देते हुए कहा, तमन्ना बेहद खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं और उनका अंदाज सबसे अलग है। लेकिन मेरा मानना है कि जो चीज आपकी किस्मत में होती है, वही आपको मिलती है। यह गाना मेरी और आयशा खान की किस्मत में लिखा था और इसलिए यह हमें मिला।

किच्चा सुदीप ने कैमियो कल्चर पर निकाली भड़ास

साउथ एक्टर किच्चा सुदीप की फिल्म मार्क 25 दिसंबर, 2025 को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इसमें उन्होंने अजय मार्कंडेय का किरदार निभाया है, जो सस्पेंडेड पुलिस ऑफिस है। अब इस मूवी को जहां क्रिटिक्स का पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। वहीं, एक्टर ने एक इंटरव्यू में कैमियो को लेकर कुछ विवादित कह दिया है। एक इंटरव्यू में किच्चा सुदीप ने कहा कि एक्टर के तौर पर उन्होंने दूसरी भाषाओं की फिल्मों में कैमियो रोल किया है लेकिन एक्टर्स साउथ की फिल्मों में एक्ट करने नहीं आ रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि उन्होंने कुछ कलाकारों को पर्सलनी भी कहा था। उनसे गुजारिश की थी लेकिन कुछ नहीं हुआ।

किच्चा सुदीप ने दूसरी इंडस्ट्रीज पर निकली भड़ास

एक्टर ने कहा, हम दूसरी भाषाओं की फिल्मों में कैमियो रोल कर रहे हैं, लेकिन कलाकार हमारी फिल्मों में आकर अभिनय नहीं कर रहे हैं। मैंने कुछ आर्टिस्ट्स से व्यक्तिगत रूप से अनुरोध भी किया, लेकिन बात नहीं बनी। यह दोनों पक्षों के सहयोग से होना चाहिए, लेकिन मुझे अभी ऐसा होता नहीं दिख रहा है। यहां तक कि शिवराजकुमार सर ने भी जेलर में अभिनय किया था, जिससे ये साफ दिखता है कि दूसरी इंडस्ट्रीज के बीच आपसी सहयोग कैसा होना चाहिए।

किच्चा सुदीप ने फी में की थी दबंग 3

पैसे से ज्यादा दोस्ती को अहमियत देने की बात करते हुए एक्टर ने दबंग 3 के बारे में कहा, मैंने दूसरी भाषाओं में फिल्में दोस्ती के लिए कीं, पैसे के लिए नहीं। मैंने दबंग 3 में इसलिए काम किया क्योंकि सलमान भाई ने मुझसे खुद गुजारिश की थी, और मैंने इसके लिए कोई फीस नहीं ली। मैंने पुली भी थलपति विजय की वजह से की। वो कभी किसी के बारे में बुरा नहीं बोलते, और मुझे ये बात अच्छी लगती है। लेकिन नानी की स्क्रिप्ट ऐसी थी, जिसने मुझे सच में इम्प्रेस किया।

सलमान की फिल्म से क्लैश नहीं करेगी आलिया की फिल्म, अल्फा की रिलीज डेट आगे बढ़ाई गई

आलिया भट्ट और सलमान खान की फिल्मों के बीच होने वाली बॉक्स ऑफिस टक्कर अब नहीं होगी। यह टक्कर अगले साल अप्रैल के महीने में होने वाली थी। आलिया की आने वाली फिल्म अल्फा की रिलीज तारीख बदल दी गई है। यह फिल्म पहले 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली थी। अब मेकर्स नई रिलीज तारीख जल्द बताएंगे। इस फैसले की जानकारी ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने शनिवार को अपने एक्स अकाउंट पर दी।

उन्होंने लिखा कि यह फैसला सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान से सीधी टक्कर से बचने के लिए लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रोडक्शन हाउस यश राज फिल्म्स अब थिएटर कैलेंडर देखकर नई तारीख तय करेगा। पोस्ट में उन्होंने लिखा कि पहले 2 अप्रैल 2026 की तारीख तय थी, लेकिन अब उस तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है। आने वाले कुछ महीनों में नई रिलीज तारीख का ऐलान होगा। यह दूसरी बार है जब अल्फा की रिलीज टली है। इससे पहले यह फिल्म क्रिसमस 2025 पर रिलीज होनी थी। बाद में पोस्ट-प्रोडक्शन के लिए ज्यादा समय देने के चलते इसकी रिलीज डेट 2 अप्रैल 2026 तय की गई। फिल्म में आलिया भट्ट के साथ शरवरी और बॉबी देओल अहम रोल में हैं। हाल ही में फिल्म वार 2 के पोस्ट क्रेडिट सीन में अल्फा से जुड़ा एक सीन दिखाया गया था। उस सीन में बॉबी देओल की एंट्री दिखाई गई। सीन में वह एक लड़की के हाथ पर एजेंसी का लोगो लगाते हैं। लड़की पूछती है कि इसका क्या मतलब है। वह जवाब देते हैं कि अल्फा ग्रीक अल्फाबेट का पहला अक्षर है। यह उनके प्रोग्राम का मोटो है। इसका मतलब है, सबसे पहला, सबसे तेज और सबसे मजबूत।

बैटल ऑफ गलवान में नजर आएंगे सलमान

वहीं सलमान खान स्टारर बैटल ऑफ गलवान की बात करें, तो इसे अपूर्व लाखिया डायरेक्ट कर रहे हैं। यह फिल्म साल 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर आधारित है, जो बिना एक भी गोली चलाए लड़ी गई थी।

नागिन 7 में प्रियंका जैसी सच्ची दोस्त मिलने के लिए शुक्रगुजार हूं

बिग बॉस 18 से निकलकर नागिन फ्रैंचाइजी में एंट्री करने वाली टीवी एक्ट्रेस ईशा सिंह ने बातचीत के दौरान अपनी जर्नी, फैमिली सपोर्ट, प्रियंका और नमिक जैसे को-स्टार्स से बॉन्डिंग, मुंबई-भोपाल के फर्क और नेगेटिविटी से दूर रहने की सीख शेयर की।

नागिन इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी है। बिग बॉस 18 में रहते हुए ही इसकी बात पता चल गई थी। उस वक्त तो बता नहीं सकती थीं। पहली बार जब पता चला, तो क्या फीलिंग हुई?
कलर्स मेरे लिए घर जैसा है। इतना बड़ा फ्रेंचाइजी, ऊपर से एकता मैम का शो और बालाजी टेलीफिल्म्स,सब कुछ परफेक्ट। ऑफर आया तो सोचा क्यों न ट्राई करें, कैरेक्टर बिल्कुल अलग था। नागिन शूटिंग ने नए मौके खोले।

फैंस सोच रहे हैं कि आप खतरों के खिलाड़ी करेंगी?
पिछले साल खतरों के खिलाड़ी में बहुत बुरा अनुभव हुआ था। अभी कोई प्लान नहीं है, लेकिन कभी-कभी नेवर कहकर भी कर लिया जाता है। बिग बॉस से पहले भी मैंने मना किया था, लेकिन कर लिया। हो सकता है अगले साल सांप-बिच्छू वाले स्टंट्स कर रही हूं।

बहुत शानदार शुरुआत हुई है। प्रियंका भी बिग बॉस में रह चुकी हैं, नामिक पॉल भी हैं, ये कमाल के कलाकार हैं। इनके साथ आपकी बॉन्डिंग कैसी रही? शूटिंग का आपका अनुभव कैसा रहा?
बहुत अच्छा रहा। सिर्फ ये दो नहीं, बाकी सारे कलाकार भी बहुत अच्छे लोग थे। प्रियंका तो मेरी बहन जैसी लगने लगी है, शो में भी सिस्टर-सिस्टर का बॉन्ड है और ऑफ-स्क्रीन भी। वो फैमिली जैसी हैं, बहुत खूबसूरत इंसान हैं, प्यारी लड़की। हम दोनों बहुत अटैच्ड हैं। इस शो से मुझे कई अच्छे दोस्त मिले, और नागिन 7 में प्रियंका जैसी सच्ची दोस्त मिलने के लिए हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी।

आप कमाल लग रही हैं। प्रियंका का लुक भी शानदार है, क्योंकि उन्हें डबल रोल निभाना है। पेरेंट्स, भाई और रुद्राक्ष का रिएक्शन कैसा रहा?
अभी उनका रिएक्शन देखना बाकी है। मैंने सिर्फ फर्स्ट एपिसोड की कुछ क्लिप्स देखी हैं, लेकिन वो लोग देख चुके हैं। इंतजार कर रही हूं कि उन्हें कैसा लगा। रुद्राक्ष तो हमेशा मेरा मजाक उड़ाता है, बिग बॉस में भी उड़ाया था। लेकिन वो बहुत सपोर्टिव है और ऑनेस्ट फीडबैक देता है। कैसी लग रही हो, वैसी लग रही हो। उसका रिएक्शन बहुत मायने रखता है।

बिग बॉस से भी बहुत कुछ सीखा होगा आपने?
हां, बहुत कुछ सीखा। उस शो ने 3 महीनों में जितना सिखाया, वैसा शायद कहीं और न मिले। वहां सिचुएशन, लोगों और स्ट्रेस को मैनेज करना सीख जाते हो। बाहर आते वक्त इतना कॉन्फिडेंट हो जाते हो कि एक शील्ड लग जाती है। अब फर्क नहीं पड़ता। पहले जो चीजें अफेक्ट करती थीं, रुलाती थीं, अब वो कुछ नहीं करतीं।

वीकेंड पर आपके दो शोज बैक-टू-बैक आ रहे हैं। लाफ्टर शेफ्स तो कमाल चल रहा है, और नागिन की जोड़ी भी। ये एक्सपीरियंस कैसा रहा? कभी सोचा था कि प्राइम टाइम पर ऐसा होगा?
भगवान ने सपनों से कहीं ज्यादा दिया है। इसके लिए हमेशा आभारी हूं। लाफ्टर शेफ्स को इतना प्यार मिला, नागिन को भी मिलेगा। शनिवार-रविवार 8 से 9 बजे नागिन में मिलूंगी, 9 से 10 बजे लास्ट शेफ्स में।

आपकी लॉयल्टी कमाल की है, पुराने को-स्टार्स के साथ बार-बार काम करते रहते हो?
अविनाश के साथ मेरी जोड़ी इतनी जबरदस्त है कि जब तक बाल नोचते नहीं, दुनिया हमें अलग नहीं कर सकती। शायद लास्ट शेफ्स के आखिरी शॉट्स में ही बाल नोचने वाले होंगे।

दमण के सार्वजनिक विद्यालय में वार्षिक खेल दिवस समारोह का हुआ भव्य आयोजन

दमण की उभरती खेल प्रतिभाएं जल्द ही विश्व मंच पर चमकेंगी: जिग्नेश जोगी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण 30 दिसंबर। दमण के सबसे प्राचीन, 1948 में स्थापित सार्वजनिक विद्यालय में वार्षिक खेल दिवस समारोह का आयोजन विद्यालय परिसर में बेहतरीन खेल प्रदर्शन और अनुशासन के साथ आयोजित हुआ। इस अवसर पर माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विभाग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी शारीरिक क्षमता, टीमवर्क तथा प्रतिस्पर्धात्मक कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। खेल समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के पूर्व प्रेसिडेंट जोगी टंडेल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विभाग के चारों हाउस द्वारा प्रस्तुत आकर्षक एवं अनुशासित परेड से हुआ। मुख्य अतिथि द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की एकता, समन्वय एवं अनुशासन की सराहनीय झलक देखने को मिली। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा मशाल प्रज्वलित कर एवं आकाश में गुब्बारे छोड़कर खेल महोत्सव का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन उपरांत विद्यार्थियों द्वारा 'फिट इंडिया' अभियान के अंतर्गत फिट इंडिया की शपथ ली गई, जिसमें नियमित व्यायाम, स्वस्थ जीवनशैली एवं फिट रहने के संकल्प को दोहराया गया। इस अवसर को दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल, मुकेश भाठेला, भवांशु टंडेल तथा जीत टंडेल की विशिष्ट उपस्थिति ने और भी गौरवपूर्ण बनाया। साथ ही विद्यालय समिति के प्रेसिडेंट जिग्नेश जोगी, वाइस प्रेसिडेंट विवेक भाठेला, सेक्रेटरी रुद्रेश टंडेल, कोषाध्यक्ष दिलीपभाई, कमेटी सदस्य मृदुलभाई एवं जयंतीभाई, उच्च माध्यमिक के प्रिंसिपल दीपक मिस्त्री एवं माध्यमिक की हेडमिस्ट्रेस शीतल पटेल भी समारोह में उपस्थित रहे। खेल दिवस के अंतर्गत विभिन्न ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धाओं जैसे दौड़, रिले, क्रिकेट, वॉलीबॉल सहित अन्य प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने पूर्ण उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सेक्रेटरी रुद्रेश टंडेल ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है। खेलकूद विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन तथा व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल हमें टीमवर्क, धैर्य और विपरीत परिस्थितियों में भी शांत रहकर संघर्ष करने की कला सिखाते हैं। अध्यक्ष जिग्नेश जोगी ने अपने संबोधन में कहा कि केवल खाली मैदान से खेल उत्सव संभव नहीं होते। यह आज सिद्ध हुआ है कि विद्यार्थियों के उत्साह, परिश्रम तथा विद्यालय के समर्पित स्टाफ के सहयोग से ही यह भव्य खेल दिवस सफलतापूर्वक आयोजित हो सका है। उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2025 में भारत की महिला खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन-चाहे महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप, ब्लाइंड वर्ल्ड कप, कबड्डी में पुनः विश्व विजेता बनना हो अथवा शीतल देवी एवं प्रीति पाल जैसे पैरा एथलीट्स द्वारा अपनी सीमाओं को शक्ति में बदलना-यह दर्शाता है कि भारत खेल जगत में निरंतर प्रगति के नए अध्याय लिख रहा है। उन्होंने गर्वपूर्वक कहा कि आज अपने विद्यालय एवं दमण के विद्यार्थियों का प्रदर्शन देखकर यह विश्वास होता है कि भविष्य में जब ये बच्चे अंतर्राष्ट्रीय एवं ओलंपिक स्तर पर खेलते हुए दिखाई देंगे, तो वह क्षण प्रत्येक दमणवासी के लिए गौरवपूर्ण होगा, जब हम गर्व से कह सकेंगे कि ये हमारे दमण और हमारे विद्यालय के विद्यार्थी हैं। ऐसी प्रतिभाओं को निखारने में सार्वजनिक विद्यालय पहली पंक्ति में नजर आएगा। समारोह के समापन अवसर पर ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब ब्लू हाउस ने अपने नाम किया, जबकि रेड हाउस को रनर-अप घोषित किया गया। खेल प्रतियोगिताओं के सफल संचालन एवं आयोजन में विद्यालय के पी.टी. शिक्षकों शशिकांत टंडेल, धीरूभाई तथा अनुप विश्वकर्मा का विशेष योगदान रहा। सम्पूर्ण कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली मंच संचालन एंकर पूर्वी ठाकर एवं दिव्यानी पुरोहित द्वारा किया गया।

संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा सचिव उर्वशी पटेल ने बच्चों में देशभक्ति और रचनात्मक गुणों का सिंचन करके मनाई पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयीजी की जन्मजयंती

■ भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयीजी के जीवन दर्शन पर आधारित पेंटिंग और कविताओं के बाल कवि सम्मेलन में बच्चों का दिखा टैलेंट

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण 30 दिसंबर। संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा सचिव उर्वशी जयेश पटेल ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयीजी की 101वीं जयंती के मौके पर विद्यार्थियों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता और कवि सम्मेलन आयोजित करके बच्चों में देशभक्ति, भाईचारा के साथ आदर्श नागरिक जैसे सद्गुण सिंचन किये। आटियावाड में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा सचिव उर्वशी पटेल ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयीजी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया और विद्यार्थियों को अटलजी के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद उर्वशी पटेल ने विद्यार्थियों ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयीजी की सुंदर तस्वीरें बनाई और अटलजी की कविताओं सहित काव्यों की कवि सम्मेलन शुरू कराया। विद्यार्थियों ने अटल जी की सुंदर तस्वीरें बनाई और कवी सम्मेलन में अच्छी कविताएं पेश करके सबका दिल जीत लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल और अतिथि विशेष दाभेल भाजपा मंडल अध्यक्ष रामसिंह पटेल ने बच्चों की पेंटिंग और कविता कौशल की तारीफ की। दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल ने बच्चों में देशभक्ति और रचनात्मक सद्गुणों के सिंचन के लिए उर्वशी पटेल की तारीफ की।

निम्हान्स के सहयोग से आपदा प्रबंधन में मनोसामाजिक देखभाल पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 30 दिसंबर। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप, आपदा परिस्थितियों में मनोसामाजिक सहायता क्षमताओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आपदा प्रबंधन में मनोसामाजिक देखभाल विषय पर एक पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 29 दिसंबर 2025 से 2 जनवरी 2026 तक नमो मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान सायली में आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, टेली-मानस तथा अन्य स्वास्थ्य संस्थानों से जुड़े स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन 29 दिसंबर 2025 को डॉ. के. सेकर, वरिष्ठ परामर्शदाता एवं पूर्व कुलसचिव, निम्हान्स, बेंगलुरु की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा एवं अनिल हेमन्ना डोड्डामणि, अनुसंधान अधिकारी, निम्हान्स भी उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र में डॉ. धवल पटेल, विभागाध्यक्ष, मनोरोग विभाग, डॉ. पर्वतराज, वरिष्ठ परामर्शदाता (मनोरोग), टेली-मानस, तथा डॉ. रिचा जोग, राज्य कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम ने भी सहभागिता की। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु के सहयोग से, निम्हान्स में प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में कुल 30 नामित प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिनमें मनोचिकित्सक, चिकित्सा अधिकारी, आयुष चिकित्सा अधिकारी एवं परामर्शदाता विभिन्न विभागों से शामिल हैं। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन निम्हान्स के प्रख्यात विशेषज्ञों डॉ. के. सेकर, डॉ. संजीव कुमार मणिकप्पा एवं अनिल हेमन्ना डोड्डामणि द्वारा किया जा रहा है, जो निम्हान्स के प्रधान अन्वेषक के मार्गदर्शन में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में कार्य कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य आपदाओं एवं आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान मानसिक स्वास्थ्य एवं मनोसामाजिक आवश्यकताओं से निपटने हेतु स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारी एवं प्रतिक्रिया क्षमता को सुदृढ़ करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंटरैक्टिव व्याख्यान, केस-आधारित चर्चाएँ एवं व्यावहारिक अभ्यास शामिल हैं, जिससे फील्ड स्तर पर प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। यह पहल आपदा-सहनीय मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा प्रभावित जनसंख्या को समय पर एवं प्रभावी मनोसामाजिक सहायता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान सिद्ध होगी।

हिन्दू श्मशान भूमि नानी दमण की हुई वार्षिक सामान्य सभा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण 30 दिसंबर। हिन्दू श्मशान भूमि नानी दमण की वार्षिक सामान्य सभा का आयोजन खारीवाड स्थित झरीमरी माता मंदिर में किया गया था। बैठक की शुरुआत में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। इसके बाद गत वार्षिक सभा की मीटिंग का वाचन एवं उसे मंजूरी दी गई। सभासदों के समक्ष गत वर्ष का हिसाब प्रस्तुत करके ऑडिट का वाचन किया गया। इसके बाद महत्वपूर्ण चर्चा की गई। जिसमें नानी दमण की श्मशान भूमि का नया स्ट्रक्चर तैयार करने के लिए कलेक्टर को आवेदन पत्र दिया गया था। प्रशासक प्रफुल पटेल से रूबरू मुलाकात कर श्मशान भूमि के बारे में चर्चा की गई थी। प्रशासक प्रफुल पटेल ने नानी दमण विस्तार में एक श्मशान भूमि बनाने का आश्वासन दिया था। इस बावत संस्था की तरफ से यदि कोई सजेशन हो तो उसे भी स्वीकारने की बात कही है। संस्था के कोषाध्यक्ष राजेश तलेकर के अकाल मृत्यु होने से उनके स्थान की जिम्मेदारी सुभाष पटेल, नवीन अक्खू पटेल, मणिलाल हलपति, हरेन्द्र पटेल, जगदीश कबीरिया, ठाकोर भंडारी, धीरु पटेल, विनोद पटेल, सुमन पटेल, चीमन पटेल, दिपीन दमणिया, पर्ल पटेल एवं दुनेठा गांव के वरिष्ठ अग्रणी नानू पटेल की विशेष उपस्थिति रही। संस्था के उपप्रमुख हीरु पटेल ने उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया।

लाइट हाउस ग्राउंड मोटी दमण में नए साल के जश्न 2026 के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क दमण 30 दिसंबर। नए साल के जश्न 2026 को देखते हुए संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव पर्यटन विभाग द्वारा 31 दिसंबर 2025 को लाइट हाउस ग्राउंड, मोटी दमण में म्यूजिकल कॉन्सर्ट और डीजे म्यूजिक सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सार्वजनिक सुरक्षा और सुचारू ट्रैफिक आवाजाही के हित में, मोटी दमण के सभी निवासियों, यात्रियों और आगंतुकों से अनुरोध है कि वे निम्नलिखित ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करें। किले में खाई की तरफ से प्रवेश केवल निवासियों, अस्पताल के मरीजों और आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर सभी के लिए प्रतिबंधित रहेगा। आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर जेटी की तरफ किले के गेट से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होगी। जेटी से कार्यक्रम स्थल यानी लाइट हाउस ग्राउंड तक समुद्र के किनारे की सड़क आपातकालीन और आवश्यक सेवा वाहनों को छोड़कर किसी भी प्रकार के वाहनों की आवाजाही के लिए पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। केवल आमंत्रित लोगों के वाहनों को ही खाई की तरफ से लाइट हाउस ग्राउंड, मोटी दमण में प्रवेश करने की अनुमति होगी और आमंत्रित व्यक्ति को छोड़ने के बाद, वाहन चला जाएगा और वाहन को निर्धारित पार्किंग स्थान पर पार्क करेगा और कार्यक्रम पूरा होने या आमंत्रित व्यक्ति के जाने पर उसे लेने आएगा। जो लोग लाइटहाउस ग्राउंड जाना चाहते हैं, वे मांगेलवाड कट या बदरापुर कट या ढोलर के रास्ते जंपोर का उपयोग करें। लोग अपने वाहन लाइट हाउस ग्राउंड क्षेत्र के पास होटल प्रवेग पॉइंट से आगे पार्क करें। होटल प्रवेग से आगे किसी भी वाहन को जाने की अनुमति नहीं होगी। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे वाहन को सड़क के पार्किंग वाली तरफ ठीक से पार्क करें और गलत तरीके से पार्क न करें जिससे वाहनों की आवाजाही में कोई बाधा हो। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों के निर्देशों का पालन करें और सहयोग करें, जो वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध रहेंगे। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे शराब पीकर गाड़ी न चलाएं या लापरवाही और खतरनाक तरीके से गाड़ी न चलाएं, यह एक दंडनीय अपराध है और सख्त कार्रवाई की जाएगी। एम्बुलेंस, फायर इंजन और अन्य आपातकालीन वाहनों को हमेशा रास्ता दें। सड़कों पर सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जनता का सहयोग आवश्यक है। इसलिए, लोगों से अपील की जाती है कि वे नए साल 2026 के जश्न को सुचारू रूप से मनाने के लिए सभी ट्रैफिक नियमों और निर्देशों का पालन करें।

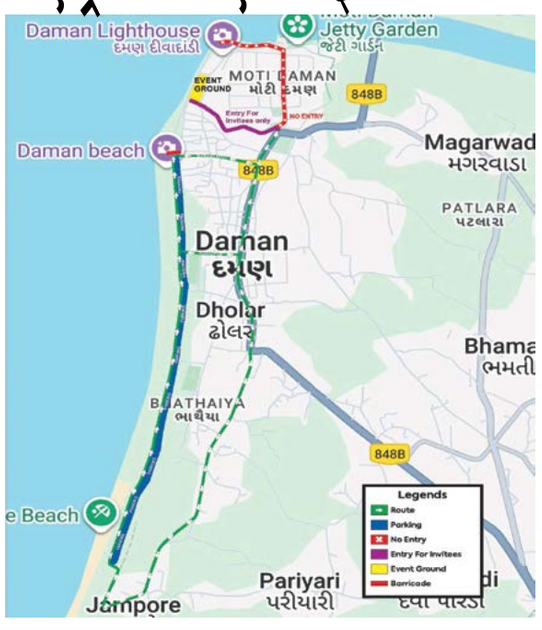

घोघला में गैस सिलिंडर फटने से लगी आग

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 30 दिसंबर। घोघला के मीठाबावा विस्तार में लगभग सवा सात बजे कंचनबेन के घर किसी कारण से सिलिंडर में आग भभक उठी और सिलिंडर ब्लास्ट हो गया। जिससे आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की जानकारी होते ही पुलिस विभाग एवं फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाया। इस आगजनी की घटना में कंचनबेन का पूरा घर जलकर खाक हो गया। कंचनबेन इस मकान में किराये पर रहती थी।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)